NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 322 लखनऊ, मंगलवार 21 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन, आगे भी होगी सियासी जंग

दिल्ली।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सदस्यों के विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा आने के बाद, 20 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने NEET-UG 2026 पेपर लीक और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में डोनेशन के गबन के आरोपों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और यह 21 जुलाई को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। लोकसभा की कार्यवाही भी अगले दिन सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह सत्र 13 अगस्त तक चलेगा और उम्मीद है कि इसमें राजनीतिक रूप से गरमा–गरम बहसें होंगी, खासकर आने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर।

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान, विपक्ष के नारों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'सुप्रीम कोर्ट

(न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। इस विधेयक का मकसद 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' में और संशोधन करना है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है, जो पहले जारी किए गए एक अध्यादेश की जगह लेगा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके।

राज्यसभा में सरकार 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत श्वंदे मातरमश में किसी भी तरह की बाधा डालने या उसका अपमान करने को अपराध माना जाएगा। विपक्ष ने संकेत दिया है कि वह सत्र के दौरान NEET-UG 2026 पेपर लीक, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित हेराफेरी और अन्य मुद्दों पर बहस कराने की कोशिश करेगा।राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन के नौ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।

जिन सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली वे गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्यप्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से एनपीपी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांग्टे लालत्लुआंगकीमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बड़ाइक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ ने पुलिस मुख्यालय में आत्महत्या की

अगरतला।

त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ सोमवार को अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में अपने कार्यालय कक्ष में मृत मिले। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उनका शव कार्यालय के भीतर फंदे से लटका मिला। इसके बाद उन्हें तत्काल गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोपहर 12:48 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद सभी जीबीपी अस्पताल भी पहुंचे। पूरे पुलिस मुख्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रेट स्तर पर जांच कराने का फैसला किया है।

मौत के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के कारणों पर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा। त्रिपुरा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक देबरॉय ने भी कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मूल रुप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बिहारीपुर गांव के निवासी अनुराग धनखड़ 1994 बैच के त्रिपुरा कैडर के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने मई 2025 में त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक का पदभार संभाला था। अपने तीन दशक से अधिक लंबे सेवा काल में उन्होंने त्रिपुरा पुलिस में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और संयुक्त राष्ट्र के कोसोवो मिशन में भी प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं दे चुके थे। उधर, विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने घटना की न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि राज्य के पुलिस प्रमुख की इस तरह हुई मौत बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक कारण सामने आ सके।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

जीरो पश्वर्टी अभियान के पात्र परिवारों का बने अंत्योदय कार्ड - योगी

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की छठी बैठक में प्रदेश में संचालित प्रमुख आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास, निवेश, जनकल्याण और सेवा वितरण से जुड़ी परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने जीरो पॉवर्टी अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की विशेष टीम गठित कर पात्र परिवारों का अंत्योदय कार्ड बनवाया जाए और उन्हें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास सहित सभी पात्र योजनाओं से चरणबद्ध रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का समग्र लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचना चाहिए।

बैठक में बताया गया कि जीरो पॉवर्टी अभियान के तहत 12.50 लाख परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। इनमें लगभग 9 लाख परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र पाए गए हैं, जबकि लगभग 5 लाख परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जाना है।

इसके अतिरिक्त 6.67 लाख परिवारों के पास अभी आयुष्मान कार्ड उपलब्ध नहीं हैं। इनमें से लगभग 5 लाख लोगों का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण हो चुका है, जबकि शेष पात्र परिवारों का पंजीकरण कराया जा रहा है। साथ ही 10.60 लाख परिवारों के एक सदस्य को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश की प्रमुख एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 88.45 प्रतिशत, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 72.71 प्रतिशत, आगरा–लखनऊ–पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 63 प्रतिशत तथा जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 59.35 प्रतिशत भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने मेरठ–हरिद्वार, विंध्य, विंध्य–पूर्वांचल तथा नोएडा–जेवर लिंक एक्सप्रेसवे सहित सभी प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित जिलाधिकारियों को 31 जुलाई तक भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विषयों में संवाद सीधे भूमिस्वामियों से स्थापित किया जाए।

बैठक में लखनऊ नाइट सफारी परियोजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि 15 जुलाई को उच्चतम न्यायालय से इसके क्रियान्वयन की अनुमति मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर परियोजना को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

ग्रेटर नोएडा में विकसित हो रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब एवं मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब की समीक्षा के दौरान बैठक में बताया गया कि 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि प्राप्त हो चुकी है। लॉजिस्टिक पार्क के लिए पांच कंपनियों ने पंजीकरण कराया है और आवंटन प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने परियोजना की सभी औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए।

औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल बिल्डिंग बायलॉज की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधनों को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए।

लखनऊ में विकसित किए जा रहे टेक्सटाइल पार्क की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि परियोजना की आधारभूत संरचना तेजी से विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में तेजी बनाए रखते हुए इसे प्रदेश के वस्त्र एवं परिधान उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्नाव की एक्वा ब्रिज परियोजना तथा कानपुर के बिनगवां स्थित 40 एमएलडी तृतीयक उपचार संयंत्र से पनकी ताप विद्युत संयंत्र को जलापूर्ति उपलब्ध कराने वाली परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने लंबित तकनीकी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर दोनों परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधारभूत संरचना के विकास के साथ जनसुरक्षा से जुड़े मानकों का कठोर अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी शासकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा संस्थानों, जिला चिकित्सालयों तथा होटलों में वैधा फायर एनओसी की समीक्षा करते हुए जहां आवश्यकता हो वहां तत्काल कार्रवाई कर अग्नि सुरक्षा मानकों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नड्डा से मिला CJP का प्रतिनिधिमंडल - मंत्री बोले- शाम चार बजे मिला ज्ञापन

नई दिल्ली।

नीट–यूजी पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच सोमवार को सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच पहली औपचारिक बातचीत हुई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। मुलाकात ऐसे समय हुई, जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च कर रहे थे। जेपी नड्डा ने बाद में बताया कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से धरना समाप्त कर सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

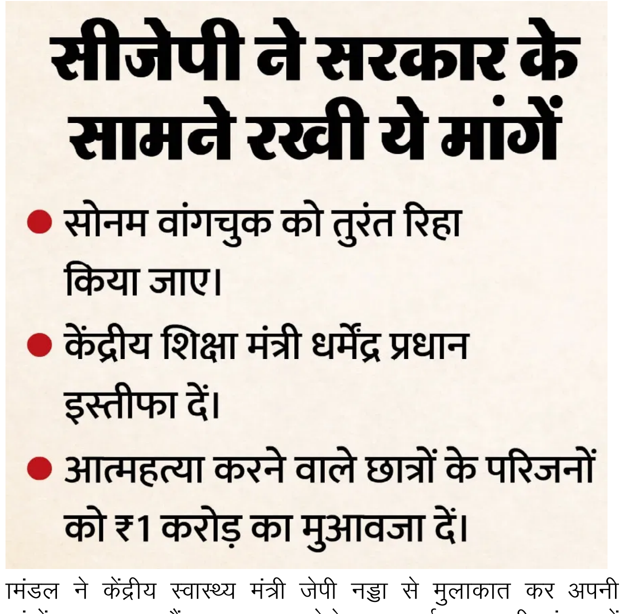

प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। दोनों ने जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगों पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के बाद नड्डा ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सोमवार सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत का प्रस्ताव आया। उन्होंने कहा कि सुबह 11:50 बजे से बातचीत शुरू हुई।

नड्डा ने आगे कहा कि पहले मौखिक चर्चा हुई और उसके बाद शाम करीब चार बजे प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें लिखित याचिका सौंपी। नड्डा ने कहा कि उन्होंने सभी प्रदर्शनकारियों से अपना धरना समाप्त करने और प्रशासन को सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग देने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर, सीजेपी ने कहा कि अभी तक उनकी किसी भी मांग पर सरकार की ओर से कोई अंतिम आश्वासन नहीं मिला है।

सीजेपी संगठन का कहना है कि वर्ष 2026 के नीट–यूजी पेपर लीक और अन्य परीक्षा विवादों के लिए शिक्षा मंत्रालय जवाबदेह है। सीजेपी प्रतिनिधिनंडल का हिस्सा रहे रांका ने कहा कि जेपी नड्डा ने इन मांगों पर सरकार के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए समय मांगा है।

सीजेपी के एक अन्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि उन्होंने और आशुतोष रांका ने दोपहर से जेपी नड्डा के आवास पर रहकर अपनी सभी मांगें रखीं। उनके अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिया कि इन मांगों पर उचित स्तर पर चर्चा की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी मांग को स्वीकार करने का कोई वादा नहीं किया गया है। सौरव दास ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि जेपी नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जंतर–मंतर और आसपास चल रहे प्रदर्शन स्थल पर आगे कोई सख्त पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत शुरू होना इस आंदोलन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। जेपी नड्डा ने प्रदर्शनकारियों की लिखित याचिका मिलने की पुष्टि की है और कहा है कि उस पर उचित स्तर पर विचार किया जाएगा। वहीं, सीजेपी ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ट्रंप मौन, ममदानी ने नेतन्याहू को दे दी खुली चुनौती

दिल्ली।

क्या जोहरान ममदानी नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की तैयारी में है? क्या इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए न्यूयॉर्क की धरती पर कानूनी संकट खड़ा हो सकता है? क्या संयुक्त राष्ट्र के मंच पर पहुंचने से पहले ही उनके खिलाफ गिरफ्तारी की चर्चा शुरू हो चुकी है और क्या यह मामला अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय अदालत के बीच टकराव का नया कारण बनने वाला है। पूरा विवाद न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी के एक बयान से शुरू हुआ। एक इंटरव्यू में ममदानी ने कहा अगर बेंजामिन नेतन्याहू सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क आते हैं तो उनकी प्रशासनिक टीम इस बात पर कानूनी सलाह ले रही है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी कि आईसीसी की गिरफ्तारी वारंट के आधार पर क्या कोई कारवाई संभव है?

दुनिया के कई लोग नेतन्याहू को युद्ध अपराधों के आरोपों के कारण जिम्मेदार मानते हैं और ICC द्वारा जारी वारंट को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अब सवाल है कि ICC वारंट का मामला क्या है? दरअसल गजा युद्ध के दौरान मानवीय संकट बड़े पैमाने पर तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इन्हीं आरोपों के बीच अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय नेतन यारू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। ICC का आरोप है कि गजा में युद्ध संचालन के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन की जांच की जानी चाहिए। हालांकि इजराइल इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करता है। इजराइल का कहना है कि वो आतंकवादी संगठनों के खिलाफ आत्मरक्षा की लड़ाई लड़ रहा है और ICC को इस मामले में अधिकार नहीं है। बता दें कि अमेरिका ICC का सदस्य नहीं है और उसने आधिकारिक तौर पर उसकी आधिकारिकता को स्वीकार नहीं किया है। इसका मतलब यह है कि ICC द्वारा जारी किसी भी वारंट को अमेरिका में स्वतः लागू नहीं किया जा सकता। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने आने वाले विदेशी नेताओं को विशेष कूटनीतिक संरक्षण भी प्राप्त होता है। ऐसे में किसी मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष या सरकार प्रमुख की गिरफ्तारी का प्रयास ना केवल कानूनी बल्कि एक बड़े राजनिक संकट का कारण बन सकता है। यह भी एक बड़ा सवाल है। विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय संधियां और किसी विदेश नीति के खिलाफ कारवाई जैसे विषय मुख्य रूप से अमेरिकी संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। ऐसे में किसी शहर के मेयर के लिए अकेले इस तरह का कदम उठाना आसान नहीं माना जा रहा।

सरकार ने LTCG टैक्स हटाने की संभावना से किया साफ इनकार

दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को शेयर बाजार के निवेशकों और मार्केट एक्सपर्ट्स को बड़ा झटका देते हुए लिस्टेड इक्विटी पर लॉन्ग–टर्म कैपिटल गेन्स (LTCG) टैक्स को हटाने की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया कि वर्तमान में रिटेल और घरेलू निवेशकों के लिए इस टैक्स को खत्म करने का कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

लोकसभा में एक लिखित सवाल का जवाब देते हुए वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की फिलहाल LTCG टैक्स को हटाने की कोई योजना नहीं है। भले ही बाजार के कुछ वर्गों और निवेशक संगठनों की ओर से बाजार में भरोसा बढ़ाने के लिए इसे हटाने की मांग लगातार की जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि टैक्स नीतियों और कैपिटल गेन्स टैक्स की दरों की समय–समय पर समीक्षा की जाती है, जो कि सालाना बजट प्रक्रिया के तहत व्यापक मैक्रो–इकोनॉमिक (समग्र आर्थिक) स्थितियों को ध्यान में रखकर तय होती है।

सरकार द्वारा इस टैक्स को न हटाने के पीछे सबसे बड़ा कारण इससे होने वाली बंपर कमाई है। संसद में साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी ट्रांजैक्शन पर LTCG टैक्स से होने वाला कलेक्शन पिछले साल के 72,249 करोड़ रुपये से लगभग 78% बढ़कर असेसमेंट ईयर 2025–26 में 1,29,158 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। सरकारी खजाने में इस टैक्स के बढ़ते योगदान को देखते हुए सरकार इसे छोड़ने के मूड में नहीं है।

यह स्पष्टीकरण निवेशकों और बाजार के भागीदारों की ओर से इस टैक्स को वापस लेने की बार–बार उठ रही मांगों के बीच आया है। कुछ लोगों का तर्क है कि यह टैक्स लॉन्ग–टर्म निवेश को हतोत्साहित करता है और टैक्स के बाद मिलने वाले रिटर्न को कम करता है। वहीं, कुछ अन्य लोगों ने घरेलू निवेशकों और कुछ विदेशी निवेशकों के बीच समानता की मांग की है, खासकर सरकार द्वारा हाल ही में सरकारी प्रतिभूतियों (गवर्नमेंट सिक्योरिटीज) में निवेश करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) के लिए टैक्स छूट की घोषणा के बाद।

हालांकि, सरकार ने संकेत दिया है कि ऐसे कदम की संभावना कम है, क्योंकि इक्विटी गेन्स से होने वाले टैक्स कलेक्शन में भारी बढ़ोतरी हुई है।

संसद में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी ट्रांजेक्शन पर LTCG टैक्स से होने वाली आय पिछले साल के 72,249 करोड़ रुपये से बढ़कर असेसमेंट ईयर 2025–26 में लगभग 78: बढ़कर 1,29,158 करोड़ रुपये हो गई है। इससे सरकारी खजाने में इस टैक्स के बढ़ते योगदान का पता चलता है।

लॉन्ग–टर्म कैपिटल गेन्स तब होता है जब लिस्टेड शेयरों या इक्विटी–ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड को एक साल से अधिक समय तक रखने के बाद बेचा जाता है। मौजूदा टैक्स व्यवस्था के तहत, एक फाइनेंशियल ईयर में 1.25 लाख रुपये से अधिक के गेन्स पर 12.5% की दर से टैक्स लगता है, जबकि इस सीमा तक के गेन्स टैक्स–फ्री रहते हैं।

लिस्टेड इक्विटी पर शॉर्ट–टर्म कैपिटल गेन्स पर 20% की दर से टैक्स लगता है।

जुलाई 2024 के केंद्रीय बजट में घोषित बदलावों के बाद से ये दरें बदली नहीं हैं।

पिछले एक साल में यह मुद्दा कई बार उठा है, क्योंकि इक्विटी मार्केट रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं और रिटेल निवेशकों की भागीदारी में भारी बढ़ोतरी हुई है। कई निवेशकों और मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना था कि LTCG टैक्स की दर कम करने या छूट की सीमा बढ़ाने से लंबे समय के लिए निवेश को बढ़ावा मिल सकता है और मार्केट का सेंटीमेंट बेहतर हो सकता है।

हालांकि, सरकार के रुख की वजह से ये उम्मीदें बार–बार कमजोर पड़ी हैं। पहले भी संसद में इस टैक्स को खत्म करने के बारे में सवाल उठाए गए हैं, और वित्त मंत्रालय ने हमेशा यही कहा है कि इस टैक्स को हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

सोमवार को दी गई सफाई इसी बात को और पुख्ता करती है। सरकार का कहना है कि टैक्स पॉलिसी की समय–समय पर समीक्षा की जाती है, लेकिन अभी ऐसा कोई संकेत नहीं है कि वह इक्विटी निवेश पर LTCG टैक्स को खत्म करने की योजना बना रही है।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 21 जुलाई 2026
sheelshukla100@gmail.com

जवाहर भवन के चौथे तल पर लगी भीषण आगय दमकलकर्मी बुझाने में जुटे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 9रू40 बजे जवाहर भवन के चौथे तल पर आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख लोगों में अफरातफरी मच गई। कर्मचारियों ने आग की सूचना अधिकारियों और फायर ब्रिगेड को दी। 10 बजे के करीब पहुंची फायर ब्रिगेड टीम आग पर काबू पाने में जुटी है। सूचना मिली तो डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी संघ के पंकज मेहरोत्रा ने बताया कि जिस तल पर आग लगी है। इस पर कैंटीन, मलेरिया विभाग सहित कई अन्य कार्यालय हैं।

जवाहर भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे ने बताया कि जवाहर भवन की चौथी मंजिल पर खाद्य रसद के कार्यालय बने कांफ्रेंस हॉल में आग लग गई है। दमकल विभाग के कर्मचारी इसे बुझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, स्थिति अभी भी काबू में नहीं है। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि आग चौथी मंजिल के कैफेटेरिया से शुरू हुई थी, बाद में यह खाद्य रसद विभाग के कार्यालय में बने कांफ्रेंस हॉल में पहुंच गई। कर्मचारियों ने पहले आग बुझाने के उपलब्ध सिस्टम का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से बेकाबू होती जा रही थी। तीन–चार दमकल गाड़ियां पहुंच चुकी हैं और आग पर काबू पाने की लगातार कोशिशें जारी हैं। अच्छी बात यह है कि सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए हैं। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति को भारी नुकसान होने की आशंका है।

दिमाग तक पहुंच रहा प्लास्टिक का रसायन, बच्चों की याददाश्त पर हो रहा असर

बच्चों के टिफिन बॉक्स, पानी की प्लास्टिक बोतल और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक, बच्चों की सीखने और याद रखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर) के वैज्ञानिकों के शोध में खुलासा हुआ है कि प्लास्टिक में पाया जाने वाला बिस्फेनॉल–ए (बीपीए) नामक रसायन दिमाग की कोशिकाओं तक ऊर्जा पहुंचने की प्रक्रिया बाधित करता है। इससे नई तंत्रिका कोशिकाओं का विकास धीमा पड़ जाता है और याददाश्त व सीखने की क्षमता कमजोर होने लगती है।

जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री में प्रकाशित यह शोध करीब पांच वर्ष तक चला। शोध का नेतृत्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रजनीश कुमार चतुर्वेदी ने किया। शोध टीम में फूलमाला चौहान, सौरभ तिवारी, रंजीत कुमार यादव और श्वेता सिंह शामिल रहे। शोध में निकले निष्कर्ष को यूरोपियन यूनियन की बीपीए रेगुलेटरी गाइडलाइंस में भी शामिल किया गया है। डॉ. रजनीश ने बताया कि बीपीए प्लास्टिक की पानी की बोतलों, टिफिन बॉक्स, फूड पैकेजिंग और अन्य खाद्य कंटेनरों में व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है। सामान्य परिस्थितियों में इसकी बहुत कम मात्रा भी प्लास्टिक से भोजन में पहुंच सकती है। यह जोखिम तब और बढ़ जाता है, जब प्लास्टिक के बर्तनों में गर्म खाना, गर्म दूध, चाय या नींबू जैसे खट्टे खाद्य पदार्थ रखे जाते हैं।

राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में अफसरों की हीलाहवाली पर सीएम योगी सख्त

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में हीलाहवाली की शिकायत पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। उन्होंने हर फरियादी के पास जाकर प्रार्थना पत्र लिया और शिकायत का उचित निराकरण कराने का आश्वासन दिया।

सीएम के समक्ष राजस्व व पुलिस से जुड़े मामले भी आए। उन्होंने प्रकरण की जानकारी लेकर पूछा कि कितने दिन पहले पुलिस या राजस्व कर्मी से शिकायत की थी। समय अधिक होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हीलाहवाली नहीं चलेगी। समय सीमा के भीतर निस्तारण न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। वहीं पारिवारिक विवाद से भी जुड़े मामलों की भी जानकारी ली।

शिकायती पत्र लेकर आए लोगों की काउंसिलिंग की और इसके दुष्परिणाम को लेकर चेताया। कहा कि ऐसे मामले बच्चों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, इसलिए घर के बड़े–बुजुर्गों के सामने बैठकर इसे सुलझाएं। निजी मामलों में बाहरियों को न शामिल करें। उन्होंने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

'जनता दर्शन' में कई खिलाड़ी भी आए थे। सीएम ने खेलों के लिए उनकी तैयारी और पदकों के बारे में पूछा। सकारात्मक उत्तर न मिलने पर कहा कि आप खूब परिश्रम कीजिए। यूपी सरकार खिलाड़ियों की सीधी भर्ती कर रही है। कई खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, तहसीलदार समेत कई पदों पर नियुक्ति दी गई है। आप भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक लाइए, सरकार पुरस्कार राशि के साथ ही नौकरी भी देगी।

'पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी तक', मायावती ने सरकार पर दागे सवाल

लखनऊ।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देश में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की बेरोजगारी को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सदन से लेकर सड़कों और दिल्ली के जंतर–मंतर तक में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर टकराव की स्थिति है। परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से करोड़ों युवाओं का भविष्य अधर में है। सरकारों को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए।मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी लंबी पोस्ट में कहा कि मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक और रद्द होने की घटनाओं से युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा व्यवस्था से जुड़े दोषियों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई तय की जाए। ताकि, युवाओं का भविष्य असुरक्षा और अंधकार से बचाया जा सके।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के कारण निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का तेजी से विस्तार हो रहा है। महंगाई के दौर में भी परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक बोझ उठाने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकारों से कोचिंग संस्थानों पर भ्रष्टाचार–मुक्त निगरानी रखने और प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की अपील की।

भीमायावती आगे ने कहा कि युवा आउटसोर्सिंग जैसी अस्थायी और कम वेतन वाली नौकरियों के बजाय सम्मानजनक एवं स्थायी रोजगार चाहते हैं। भीमराव आंबेडकर के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षित, सुरक्षित और कल्याणकारी भारत का निर्माण ही देश की प्रगति का आधार है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया तो जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के हो रहे आंदोलन की तरह का ही रास्ता अपनाने के लिए युवाओं को मजबूर होना पड़ेगा।

घर के चौनल में अचानक से उतरा करंट

लखनऊ/ अंबेडकरनगर। घर के लोहे के चौनल में करंट उतरने से एक विवाहिता की मौत हो गई। बचाने पहुंचे उसके पिता भी झुलस गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से जिम्मेदारों पर कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। अंबेडकरनगर के आलापुर थाना क्षेत्र के खतमीपुर गांव में सोमवार को घर के लोहे के चौनल में उतरे करंट की चपेट में आने से 23 वर्षीय विवाहिता रीमा चौहान की मौत हो गई, जबकि बचाव के दौरान उसके पिता रामशरण घायल हो गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि रीमा चौहान पत्नी बृजमोहन इन दिनों अपने मायके खतमीपुर में रह रही थीं। उनकी छह माह की एक बेटी भी है। सोमवार को घर के चौनल में अचानक करंट उतर आया, जिसकी चपेट में गांव की सुनीता पत्नी प्रेमचंद आ गई। सुनीता को बचाने के लिए रीमा दौड़ी, लेकिन वह स्वयं करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बेटी को बचाने के प्रयास में पिता रामशरण भी घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची आलापुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक अनीता कमल, वरिष्ठ भाजपा नेता श्यामनाथ शुक्ला, मंडल अध्यक्ष विनय पांडे, भाजपा नेता ज्योतिंद्रनाथ त्रिपाठी समेत कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

साइबर ठगी के बाद भी वापस मिलेगा पैसा, सरकार ने शुरू किया नया सिस्टम

लखनऊ।

साइबर ठगी के मामलों में अब पीड़ितों को अपना पैसा वापस पाने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की ओर से विकसित मनी रिस्टोरेशन मॉड्यूल (एमआरएम) साइबर ठगी के शिकार लोगों को उनकी होल्ड की गई धनराशि वापस दिलाने में मदद कर रहा है। वहीं, यदि जांच के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति का बैंक खाता गलती से होल्ड या फ्रीज हो जाता है, तो उसके लिए ग्रीवांस रिड्रेसल मॉड्यूल (जीआरएम) की सुविधा उपलब्ध है। डीजी साइबर क्राइम वीके सिंह के अनुसार, जब साइबर ठगी की शिकायत के बाद बैंक किसी संदिग्ध खाते में रकम होल्ड करता है और पीड़ित का विवरण एमआरएम पोर्टल पर अपलोड करता है, तो पीड़ित के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस या लिंक भेजा जाता है। इस लिंक के माध्यम से पीड़ित ऑनलाइन धनराशि वापस पाने का अनुरोध दर्ज करता है। इसके बाद संबंधित पुलिस इकाई जांच और सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट बैंक को भेजती है। रिपोर्ट मिलने के बाद बैंक नियमानुसार पीड़ित के खाते में धनराशि वापस कर देता है।

यदि होल्ड की गई राशि 50 हजार रुपये से कम है, तो पैसा वापस पाने के लिए एफआईआर या अदालत के आदेश की आवश्यकता नहीं होती। हालांकि, 50 हजार रुपये या उससे अधिक की राशि के मामलों में एफआईआर दर्ज होना अनिवार्य है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति का बैंक खाता जांच के दौरान होल्ड या फ्रीज हो जाए, तो वह संबंधित बैंक शाखा में आवेदन देकर जीआरएम के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकता है। बैंक शिकायत को पुलिस तक भेजता है और जांच के बाद खाते से प्रतिबंध हटाने या जारी रखने का निर्णय लिया जाता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, बनेगी एक और SIT बनेगी

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक नई विशेष जांच टीम (SIT) गठित करने के संकेत दिए। कोर्ट ने कहा कि नई एसआईटी में पहले से जांच कर रहे अधिकारियों को भी शामिल किया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में जांच कराई गई है और उसकी स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी गई है। एसआईटी की जांच के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है और अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि उन्होंने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए खुली अदालत में विस्तृत जानकारी साझा करना उचित नहीं होगा।

इस पर मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने कहा कि अदालत तीन–चार दिन बाद मामले पर दोबारा सुनवाई करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की नई एसआईटी बनाई जाए, जिसमें पहले से जांच कर रहे अधिकारी भी शामिल हों। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को भरोसा दिलाया कि सरकार ऐसा करने के लिए तैयार है।

मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को मामले का राजनीतिकरण न करने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि यह एक साधारण आर्थिक अपराध का मामला है और जांच एजेंसियों को अपना काम स्वतंत्र रूप से करने दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को निर्धारित की है। उस दिन नई एसआईटी के गठन और जांच की प्रगति पर आगे विचार किया जाएगा।

प्रदेश में अब एआई से हटेंगे डुप्लीकेट मतदाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से डुप्लीकेट नामों को डिलीट करने का अभियान प्रारंभ हो चुका है। बूथ और विधानसभा क्षेत्रवार मिलते–जुलते नाम चिह्नित कर लिए गए हैं। इन नामों का क्लस्टर तैयार किया गया है। सभी बीएलओ से मौके पर जांच करके 31 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट लगाने के लिए कहा गया है।

प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 10 अप्रैल को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 13.39 करोड़ मतदाता हैं। जांच में पाया गया कि तमाम मतदाता ऐसे हैं, जिनके नाम अभी भी दो या उससे अधिक बार हैं। एक ही मतदाता को अलग–अलग एपिक नंबर (वोटर आईडी नंबर) भी जारी हुए हैं। अमर उजाला ने 21 जून के अंक में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

चुनाव आयोग ने बूथ और विधानसभा क्षेत्रवार उपलब्ध ऑनलाइन डाटा का विश्लेषण किया है। इसमें यह देखा गया कि कितने मतदाताओं के नाम, उनके माता या पिता के नाम और पता में समानता है। सॉफ्टवेयर से इस तरह के नाम व पते चिह्नित करके उनके क्लस्टर बना दिए गए हैं। इस काम में एआई की मदद भी ली गई है।

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, अब ये सभी क्लस्टर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और उससे ऊपर के अधिकारियों को उनके लॉगइन पर दिखाई दे रहे हैं। बीएलओ अपने बूथ के भीतर एक से नाम वाले लोगों को चिह्नित करके उनका सत्यापन करेगा। अगर एक ही मतदाता के नाम एक ही बूथ की मतदाता सूची में कई बार हैं, तो उस व्यक्ति से पूछा जाएगा कि किस नंबर पर वह रहना चाहता है। बीएलओ शेष नंबरों से उस मतदाता का नाम हटाने के लिए बीएलओ एप पर ही संस्तुति करेगा।

'शर्मा टी स्टॉल' के मालिक के बेटे ने अपनी बर्थडे पार्टी में की हर्ष फायरिंग

लखनऊ।

मोहनलालगंज में सिसेंडी–मदारपुर मार्ग स्थित जंगल में बने स्पोरो रिसॉर्ट में शर्मा टी स्टॉल के मालिक के बेटे लालबाग निवासी गौरव शर्मा ने अपनी बर्थडे पार्टी दोस्तों के साथ हर्ष फायरिंग की। आरोपी व उसके दोस्तों पर रिसॉर्ट कर्मचारियों को बुरी तरह से पीटा। रिसॉर्ट कर्मचारी जितेंद्र सिंह की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने गौरव को हिरासत में लिया है।

इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि रविवार को गौरव का जन्मदिन था। गौरव के दोस्त रिंकू ने स्पोरो रिसॉर्ट में बर्थ डे पार्टी का आयोजन किया था। पार्टी में पार्टी 40 अन्य लोग भी मौजूद थे। रात करीब 11 बजे नशे में डीजे पर नाच रहे गौरव शर्मा ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग कर दी।

इससे वहां अफरा–तफरी मच गई। यह देख कर्मचारियों ने विरोध किया तो गौरव व अन्य आरोपियों ने मिलकर उन्हें पीटना शुरू कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर सभी लोग भाग निकले। जबकि गौरव शर्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

इंस्पेक्टर ने बताया कि रिसॉर्ट कर्मचारी की तहरीर पर 14 लोगों के खिलाफ हत्या का प्रयास, मारपीट व अन्य गंभरी धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस को घटनास्थल से असलहा नहीं मिला है। पुलिस की दो टीमें गठित की गई है। एक टीम गौरव से पूछताछ कर रही है।जबकि दूसरी टीम फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सीतापुर में जंगली सियारों का आतंक

सीतापुर।

सीतापुर के संदना थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर तेंदुआ गांव में सोमवार सुबह दो जंगली सियारों के हमले से हड़कंप मच गया। खेतों की ओर गए पिता–पुत्र पर सियारों ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद दोनों सियार गांव की ओर भागे और रास्ते में चार भैंसों पर भी हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

गांव निवासी राजपाल सिंह (70) अपने पुत्र रघुवीर सिंह (35) के साथ सुबह करीब आठ बजे गांव के बाहर खेतों की ओर गए थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकले दो सियारों ने उन पर हमला बोल दिया। सियारों ने दोनों को बुरी तरह नोचकर घायल कर दिया। चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर मौके पर पहुंचे, जिसके बाद दोनों सियार जंगल की ओर भाग निकले।

ग्रामीणों के अनुसार, भागते समय सियारों ने कौशल की दो, राम की एक और रामप्रकाश की एक भैंस पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायल पिता–पुत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोंदलामऊ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सियारों को जल्द पकड़ने की मांग की है, ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। गांव के लोग अब अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। इस बीच चर्चा है कि हमले के बाद ग्रामीणों ने एक सियार को पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि सियार के हमले की पुष्टि हुई है, लेकिन उसकी मौत की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वन विभाग के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। एसडीओ ब्रजेंद्र पांडेय ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल भी जाना।

सई नदी में डूबे सगे भाइयों का शव दूसरे दिन बरामद, परिवार में मचा कोहराम

प्रतापगढ़।
सई नदी में डूबे सगे भाइयों का शव सोमवार को सुबह एसडीआरएफ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बरामद किया। एक किशोर का शव घटना के बाद ही बरामद हो गया था, लेकिन दोनों भाइयों का कुछ पता नहीं चला था।

सई नदी में डूबे सगे भाइयों का शव सोमवार को सुबह एसडीआरएफ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बरामद किया। एक किशोर का शव घटना के बाद ही बरामद हो गया था, लेकिन दोनों भाइयों का कुछ पता नहीं चला था। रविवार को देर शाम तक स्थानीय गोताखोरों के अलावा एसडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी रही लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार को सुबह से फिर सर्च आपरेशन चलाया गया, जिसमें दोनों के शवों को गहरे पानी से निकाला गया। शवों को जब घर ले जाया गया तो पूरे मोहल्ले में माहौल गमगीन हो गया। परिवार में कोहराम की स्थित रही।

शहर के अचलपुर स्थित लेखपाल कॉलोनी निवासी सराफ रामजी सोनी के दो बेटे 14 वर्षीय कृष्णा और 16 वर्षीय अनुराग पड़ोस में रहने वाले फूफा राजू सोनी के 16 वर्षीय बेटे अमित के साथ सुबह करीब नौ बजे स्कूटी से ज्वेलरी का सामान लेकर श्याम बिहारी गली के एक व्यापारी की दुकान पर पहुंचाने जा रहे थे। लेकिन, चर्चा है कि उन्होंने रास्ते में प्लान बदल दिया और वे सीधे दिलीपपुर थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर स्थित खीरीबीर पुल पहुंच गए।

सई नदी के किनारे तीनों स्कूटी धोने के साथ नहाने लगे। पैर फिसलने के कारण तीनों पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए। नदी के किनारे मछली पकड़ रहे मछुवारों ने किशोरों को डूबते देख शोर मचाया। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा पुलिस फोर्स और फायर ब्रिगेड टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नदी में उतरे गोताखोरों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद अमित को खोज निकाला लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। वहीं, कृष्णा और अनुराग की तलाश के लिए प्रयागराज की एसडीआरएफ टीम लगाई गई। दूसरे दिन सोमवार को दोनों भाइयों का शव बरामद किया गया।

हादसे के बाद सराफा कारोबारियों में शोक का माहौल है। अचलपुर से लेकर श्याम बिहारी गली व ठठेरी बाजार में मातमी सन्नाटा

पसरा रहा। सराफा के घर पर भीड़ जुटी है। अमित परिवार में सबसे छोटा होने के कारण दुलारा था। दो भाई व दो बहनों में वह सबसे छोटा था। उसकी मौत से भाई और बहनें भी रोते बिलखते रहे। वहीं, नदी में डूबे कृष्ण और अनुराग का एक छोटा भाई भी है। खीरीबीर घाट पर मिली स्कूटी की डिकी से लाखों रुपये के आभूषण बरामद हुए। पुलिस ने इन्हें कब्जे में ले लिया है।

किसी भी हाल में भंग नहीं हो सकता राम मंदिर ट्रस्ट, सिर्फ व्यवस्था में संशोधन संभव

अयोध्या। निर्मोही अखाड़ा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका देकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग उठाई गई है। इससे पहले हिंदू महासभा ने भी राम मंदिर ट्रस्ट को भंग करने की मांग उठाई है। इसके बाद ट्रस्ट की स्थापना संबंधी मूल ट्रस्ट डीड और नौ नवंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। उपलब्ध ट्रस्ट डीड के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि ट्रस्ट को भंग करने का कोई प्रावधान नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने नौ नवंबर 2019 को अपने फैसले के पैरा 805(2)(प) में केंद्र सरकार को तीन माह के भीतर अयोध्या अधिनियम, 1993 की धारा छह और सात के तहत एक योजना बनाकर ट्रस्ट की स्थापना करने का निर्देश दिया था। फैसले में कहा गया है कि योजना में ट्रस्ट के गठन, उसके प्रबंधन, ट्रस्टियों की शक्तियों, मंदिर निर्माण और उससे जुड़े सभी आवश्यक विषयों का प्रावधान किया जाएगा। इसी आदेश के अनुपालन में भारत सरकार ने पांच फरवरी 2020 को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया और ट्रस्ट डीड निष्पादित की। ट्रस्ट डीड में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि स्थापित ट्रस्ट अपरिवर्तनीय होगा। इसका अर्थ है कि ट्रस्ट को निरस्त या समाप्त करने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसे में ट्रस्ट डीड के उपलब्ध प्रावधानों के अनुसार, ट्रस्टियों में बदलाव या ट्रस्ट डीड की कुछ धाराओं में सीमित संशोधन संभव हैं, लेकिन ट्रस्ट को भंग करने का कोई स्पष्ट प्रावधान ट्रस्ट डीड में नहीं दिया गया है।

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज को ट्रस्ट डीड में संशोधन का अधिकार दिया गया है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया गया है कि ट्रस्ट की मूल संरचना, ट्रस्ट के उद्देश्य, केंद्र सरकार की ओर से बनाई गई योजना तथा नौ नवंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के मूल ढांचे के विपरीत कोई संशोधन नहीं किया जा सकता। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की संरचना वही रहेगी जो ट्रस्ट डीड में निर्धारित की गई है। ट्रस्ट डीड में केवल ट्रस्टियों के इस्तीफे और उन्हें दो–तिहाई बहुमत से हटाने की प्रक्रिया का उल्लेख है। किसी भी स्थान पर पूरे ट्रस्ट को भंग करने या समाप्त करने की व्यवस्था का उल्लेख नहीं है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार पहले मंदिर परिसर में लगभग 300 निजी सुरक्षाकर्मी तैनात थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर अब 350 कर दी गई है। वहीं, निजी सुरक्षा कर्मियों का मासिक मानदेय 16 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया गया है।

मंदिर की सुरक्षा पहले से ही उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी और अन्य सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के जिम्मे है। इनके अलावा दो निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मी भी मंदिर परिसर में विभिन्न प्रवेश द्वारों, परिक्रमा मार्ग, यात्री सेवा केंद्र और अन्य संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार, चढ़ावा चोरी की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की गई। इसके तहत अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा सुरक्षा कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से उनके मानदेय में भी वृद्धि का निर्णय लिया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से शनिवार की शाम जिले के पांचों विधायक और महापौर ने तीर्थ क्षेत्र भवन पहुंचकर मुलाकात की। राम मंदिर से जुड़े प्रकरण के बीच हुई इस मुलाकात को राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जनप्रतिनिधियों ने चंपत राय का हालचाल जाना और पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की।

मुलाकात करने वालों में नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान, बीकापुर विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान, गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह शामिल रहे। मुलाकात के बाद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पूरे मामले की जांच एसआईटी कर रही है। जांच अपने अंतिम चरण में है और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले का सच सामने आ जाएगा, इसलिए जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है।

चंपत राय से लगातार हो रही मुलाकातों को कई लोग एक स्पष्ट संदेश के रूप में देख रहे हैं। पहले अयोध्या के व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिला। इसके बाद रामनगरी के अनेक साधु–संतों ने उनसे भेंट कर सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन किया और उन्हें पूरे प्रकरण में निर्दोष बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी लगातार उनसे मिलने पहुंच रहे हैं। अब जिले के सभी जनप्रतिनिधियों का एक साथ पहुंचना इस क्रम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। इन लगातार हो रही मुलाकातों से यह संदेश उभरकर सामने आ रहा है कि समाज और संगठन के विभिन्न वर्ग जांच पूरी होने से पहले चंपत राय से दूरी बनाने के बजाय उनके साथ खड़े दिखाई देना चाहते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

मुरादनगर।
दिल्ली–मेरठ मार्ग पर असालतपुर गेट के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदर्श नगर कॉलोनी निवासी गोपाल गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 11 जुलाई को उनका भाई राजीव कुमार साइकिल से असालतपुर दवा लेने गया था। वहां अज्ञात वाहन ने राजीव को टक्कर मार दी थी, उसकी मौत हो गई थी, हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। एसीपी ने बताया कि तहरीर पर हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

द्वारकाधीश मंदिर की दान गुल्लक के ताले तोड़कर चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)
धर्मनगरी मथुरा के विश्व प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में अज्ञात चोर ने मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी दान गुल्लक के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि के बीच की बताई जा रही है। सोमवार सुबह मंदिर खुलने पर चोरी का पता चलते ही मंदिर प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस बीच वारदात का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति गुल्लक के ताले तोड़ते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब पांच बजे ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने मुख्य द्वार पर लगी दान गुल्लक के ताले टूटे हुए देखे। इसके बाद उसने तत्काल मंदिर प्रबंधन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने घटना का निरीक्षण किया और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति गुल्लक को तोड़कर चोरी करता हुआ नजर आया, जिसके आधार पर पुलिस अब आरोपी की पहचान में जुट गई है।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर प्रबंधक की ओर से थाना कोतवाली में लिखित तहरीर दे दी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी की तलाश की जा रही है। मंदिर प्रशासन ने जल्द खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

घटना के बाद मंदिर क्षेत्र के व्यापारियों, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत की जानी चाहिए। व्यापारियों ने मंदिर परिसर और आसपास के बाजार क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने तथा सीसीटीवी निगरानी को और प्रभावी बनाने की मांग की है।

फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। दिनदहाड़े नहीं बल्कि देर रात हुई इस वारदात ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर ।
जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की विभागीय अधिकारियो के साथ बैठक कर समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा के दृष्टिगत गंदा पानी एकत्रित न हो तथा फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव कराते रहें। उन्होंने पंचायती राज विभाग द्वारा संचारी रोग के अन्तर्गत आने वालें एंडीकेटर्स के अनुसार कार्य नही किए जाने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि झाड़ियों कटाई, नालियों साफ आदि नियमित रूप कराएं एवं अनसेल्फ हैण्डपम्पो की सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट जो चिन्हित किए गए उन्हें साफ कराएं। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित किया कि ध्यान शहर में कहीं पर कूड़े का ढेर न लगने पाए नियमानुसार कूड़े का निस्तारण कराएं। नालियों की नियमित सफाई कराएं, पानी का जमाव हो तो उसे तत्काल निकलवाते हुए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराएं। अहरौरा में फागिंग व एंटीलार्वा का नियमित छिड़काव न कराएं जाने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अहरौरा को निर्देशित किया कि फागिंग व एंटीलार्वा का नियमित छिड़काव कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संचारी रोग व दस्तक अभियान के तहत जो डाटा मानिटरिंग कराई जा रही है उसे सही तरीके से डाटा फीडिंग कराया जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरूसण्डी में आभा आईडी कम बनाए जाने पर प्रभारी चिकित्साधिकारी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि शत प्रतिशत आभा आईडी बनवाना सुनिश्चित करें एवं आशा व ए0एन0एम0 द्वारा ई कवच पर डाटा इंट्री न किए जाने पर सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया शत प्रतिशत इंट्री करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु लोगो जन जागरूकता लाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश कुमार सहित प्रभारी चिकित्साधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

छात्रों को स्काउट के लाभ व महत्व के बारे में दे जानकारी -जिलाधिकारी

शासकीय स्कूलोध्कालेजों के साथ ही प्राइवेट स्कूलों में भी स्काउट के लिए चलाया जाए विशेष अभियान, नामांकन बढ़ाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने स्काउट गाइड के गतिविधियों में सुधार लाने के दृष्टिगत स्काउट व शिक्षा अधिकारियों के साथ की बैठक

मीरजापुर 20 जुलाई 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विभिन्न स्कूलों में संचालित स्काउट गाइड के गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए शिक्षा विभाग एवं स्काउट गाइड के पदाधिकारियो के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि शासकीय, अर्द्धशासकीय व वित्त विहीन स्कूलों में नामांकन के सापेक्ष पुनः नवीनीकरण की प्रगति काफी दयनीय है इसमें सुधार लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक अपने–अपने अधीनस्थ विद्यालयों के कक्षाओं के विद्यार्थियों का अधिक से अधिक पंजीकरण स्काउट गाइड का कराएं तथा विभिन्न कार्यक्रमो में जागरूकता रैलियां, शपथ कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर आदि का कार्यक्रम आयोजित कर स्काउट के बच्चों को स्काउट से लाभ व उसके महत्व के बारे में जानकारी दे तथा आयोजन में उनके उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्काउट के माध्यम से छात्रो में अनुशासन, समय की पाबंदी आत्मनिर्भरता, देश भक्ति और समाज सेवा की भावना भी विकसित की जाए। आपदा के समय राहत कार्य, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत भी संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों के अतिरिक्त सी0बी0एस0सी0, आई0सी0एस0सी0 विद्यालयों में भी स्काउट गाइड में छात्रो को जोड़ा जाए तथा विद्यालयों में स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन आदि नियुक्त करते हुए यूनिक रूप से विभिन्न गतिविधियां कराए जाए। बैठक में प्राचार्य महेन्द्र सोनकर के अलावा अन्य स्काउट गाइड के पदाधिकारी व प्राचार्य उपस्थित रहें।

कामतानाथ बाबा के दरबार में गूँजी टीबी कर्मचारियों की प्रार्थना×हे प्रभु! सरकार कर्मचारियों के सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व की हमारी विनम्र पुकार सुने।

चित्रकूट धाम में हवन-पूजन एवं महाआरती के बीच टीबी कर्मचारियों की भावपूर्ण प्रार्थना

लखनऊ/चित्रकूट। रविवार शाम चित्रकूट धाम में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत कार्यरत टीबी कर्मचारियों के सम्मान, सुरक्षा, सेवा स्थायित्व एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश क्षय रोग वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संघ (पंजी.), जो उत्तर प्रदेश टीबी कर्मचारी संघ के नाम से भी जाना जाता है, के प्रदेश

अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र के नेतृत्व में भगवान श्री कामतानाथ जी की पावन परिक्रमा की गई। इसके उपरांत बरहा हनुमान जी के पावन स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन–पूजन एवं भव्य महाआरती संपन्न हुई।

इस आध्यात्मिक आयोजन के लिए चित्रकूट सहित आसपास के अनेक जनपदों के टीबी कर्मचारियों एवं संगठन के पदाधिकारियों को सादर आमंत्रित किया गया था। उपस्थित सभी साथियों ने भगवान कामतानाथ एवं संकटमोचन हनुमान जी के श्रीचरणों में प्रदेश के समस्त टीबी कर्मचारियों की सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य, सम्मान, सेवा स्थायित्व तथा उनके परिवारों की सुख–समृद्धि और सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक प्रार्थना की।

प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र ने कहा कि टीबी कर्मचारी वर्षों से संक्रमण के जोखिम के बीच रहकर समाज को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय अभियान में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। अनेक कर्मचारी प्रतिदिन बड़ी संख्या में टीबी मरीजों के संपर्क में रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। पिछले कुछ समय में कई समर्पित साथियों के असमय निधन से कर्मचारी परिवार गहरे दुःख से गुजरा है। इसी कारण हवन–पूजन एवं महाआरती के दौरान दिवंगत साथियों की पुण्य आत्माओं की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई तथा वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई।

उन्होंने कहा कि भगवान कामतानाथ के श्रीचरणों में यह भी प्रार्थना की गई कि प्रदेश सरकार टीबी कर्मचारियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा, सेवा स्थायित्व, समय पर वेतन तथा कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक निर्णय ले, ताकि जनस्वास्थ्य की सेवा में जुटे कर्मचारियों का मनोबल और अधिक मजबूत हो तथा उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित बन सके।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने, संक्रमण के बीच कार्यरत कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प लेने तथा संगठन की एकजुटता को और मजबूत करने का भी अवसर रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी कर्मचारियों ने समाज को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा कर्मचारी हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

लखनऊ RTO में खुलेआम दलालीरू नए वाहन से लेकर ट्रांसफर तक 2000 से 5000 तक की अवैध वसूली, ग्राहक परेशान

लखनऊ।
परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का नया मामला सामने आया है। लखनऊ के एआरटीओ कार्यालय में नए और पुराने दोनों तरह के वाहनों के कामों में अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से खुलेआम धन उगाही की जा रही है। इससे आम जनता में भारी नाराजगी है।

जानकारी के अनुसार टू–व्हीलर और फोर–व्हीलर के डीलरों के माध्यम से जब कोई ग्राहक नया वाहन खरीदता है और रजिस्ट्रेशन के लिए डबल आईडी या अन्य जिले की आईडी जमा करता है, तो लखनऊ जिले का रेंट एग्रीमेंट और एफिडेविट देने के बावजूद परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा अलग से 200 की अवैध वसूली की जा रही है।

वहीं डीलरों और उनके एजेंटों द्वारा कार और दोपहिया वाहन के रजिस्ट्रेशन के नाम पर ग्राहकों से 200 से 400 तक अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है।

सबसे बड़ी लूट वाहन के ट्रांसफर में हो रही है। सूत्रों का कहना है कि आरटीओ ऑफिस में पुराने वाहन के नाम ट्रांसफर के लिए 4000 से 5000 तक की मांग की जा रही है। यदि वाहन पर बैंक का लोन या हाइपोथैकेशन चढ़ा है तो उसे हटवाने या चढ़वाने के नाम पर 1500 से 2000 और वसूले जा रहे हैं। इस कारण पुरानी गाड़ी का ट्रांसफर कराना ग्राहकों के लिए बेहद महंगा सौदा बन गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि परिवहन विभाग में दलालों के माध्यम से खुलेआम धन उगाही का खेल चल रहा है और इसमें कुछ अधिकारियों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। नई गाड़ी लेने वाले ग्राहक इस अवैध वसूली से बेहद नाराज हैं।

पीड़ितों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों और दलालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

सोनम वांगचुक का आंदोलन कितना जायज, क्या निकलेगा इसका नतीजा?

सोनम वांगचुक को शनिवार तड़के पुलिस जबरन उठा ले गई और उनकी बिगड़ती हालत के मद्देनजर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। फिलहाल इस आंदोलन के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है और सोनम वांगचुक द्वारा 20 जुलाई का प्रस्तावित मार्च भी खटाई में पड़ गया है।

जैसी की संभावना थी, वही हुआ। दिल्ली के जंतर –मंतर पर 20 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता (एक्टिविस्ट), सोनम वांगचुक को शनिवार तड़के पुलिस जबरन उठा ले गई और उनकी बिगड़ती हालत के मद्देनजर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने वहां जुटे प्रदर्शनकारियों को भी चलता किया।

हालांकि सोनम की जगह कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके अब अनशन पर बैठ गए हैं, लेकिन फिलहाल इस आंदोलन के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है और सोनम वांगचुक द्वारा 20 जुलाई का प्रस्तावित मार्च भी खटाई में पड़ गया है।

वैसे भी वर्तमान सरकार ऐसे आंदोलनों के दबाव में नहीं आती। लिहाजा आमरण अनशन से निजी शोहरत और सहानुभूति तो मिल सकती है, जमीनी लाभ नैतिक समर्थन से ज्यादा कुछ नहीं मिलता। व्यावहारिक दृष्टि से भी सोनम के आंदोलन के पीछे कई राजनीतिक और सामाजिक पेंच हैं।

कुछ सियासी पार्टियों ने सोनम का अब तक जबानी समर्थन किया है, तो कांग्रेस जैसी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी शुरू से ही इसे संदेह की नजर से देखते हुए आंदोलन से दूरी बनाए हुए है। और तो और जिन युवाओं की खातिर सोनम आमरण अनशन कर रहे हैं, उनकी रुचि भी इस आंदोलन में ज्यादा नहीं दिखती। यानी परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर उनके मन में भी रोष तो है, लेकिन वह इतना भी नहीं है कि वो अपनी वर्च्युअल दुनिया छोड़कर वास्तविक दुनिया में कफन बांध कर उतर आएं।

सोनम के साथ मैदानी तौर पर वो सीजेपी है, जिसका खुद का वजूद भी वर्च्युअल ही ज्यादा है। जबकि तमाम एआई और डिजीटल प्रगति के बावजूद हकीकत में जन आंदोलन सड़कों पर ही करने पड़ते हैं। उसमे भी निरंतरता चाहिए न कि जेन जी तरह एक टेम्प्रेरी इंवेट का क्रेज। वैसे भी आंदोलनों के मामले से निपटने का मोदी सरकार का तरीका पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में काफी भिन्न है, जिस पर बहस की गुंजाइश हमेशा रही है। मसलन सरकार ने अगर किसी आंदोलन को ढील दी हो या अचानक अपने कदम पीछे खींच लिए हो, तो जो आगे होता है, वह राजनीतिक लाभ–हानि के तहत ही होता है। और इतनी सफाई और बेरहमी से होता है कि उन आंदोलनो का अपेक्षित चुनावी लाभ विपक्षी पार्टियों को नहीं मिल पाता।

बावजूद तमाम नैतिक समर्थन, सहानुभूति और संवेदनशीलता के आग्रह के, सोनम वांगचुक का आंदोलन भी उसी दिशा में जाता दिख रहा है। इसके पहले दिल्ली हाईकोर्ट और डॉक्टरों ने भी भूख हड़ताल पर बैठे सोनम की गिरती सेहत को लेकर गहरी चिंता जताते हुए उनका ध्यान रखने की हिदायत दी थी। शनिवार सुबह हुई पुलिस कार्रवाई में भी इसी को आधार बनाया गया।

पुलिस कर्मी सादे कपड़ों में पहुंचे और सोनम को उठा ले गए। हालांकि सीजेपी नेता अभिजीत दिपके ने पुलिस पर आंदोलनकारियों पर लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया। इस कार्रवाई के एक दिन पहले ही दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को भी बदल दिया गया था। गौरतलब है कि जंतर मंतर पर इस आंदोलन की शुरुआत अभिजीत दिपके ने की थी और सोनम वांगचुक इसमें 28 जून को शामिल हुए थे।

कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित सोनम वांगचुक के आंदोलन में शामिल होने के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खी मिलने लगी। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि लाखों भारतीय छात्रों के लिए न्याय की मांग कर रहे युवाओं के आंदोलन को वांगचुक की भूख हड़ताल से नई गति मिली है।

इसी अखबार को दिए इंटरव्यू में सोनम ने कहा कि सीजेपी का आंदोलन उस संघर्ष से जुड़ा हुआ है, जिसे मैंने अपनी युवावस्था में शुरू किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि 'आमरण अनशन के दौरान सोनम का वजन साढ़े 9 किलो तक कम हो गया है। लिहाजा कई नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओंऔर कलाकारों ने सोनम से अनशन समाप्त करने की अपील भी की। जहां तक सोनम के वर्तमान आंदोलन की बात है तो उसको लेकर कई सवाल हैं। पहला तो यह कि सोनम केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से जो इस्तीफा मांग रहे हैं, वह राजनीतिक मांग है। सो सरकार शायद ही माने। उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक बंद करने और व्यवस्थाओं को पुख्ता बनाने की मांग जायज है, लेकिन जिस 'नीट' यूजी के संदर्भ में वो ये मांग कर रहे हैं, उसकी तो पुनर्परीक्षा भी हो गई तथा रिजल्ट भी घोषित हो गया। रीएग्जाम में व्यवस्थाएं पुख्ता रहीं और नतीजों को सभी ने स्वीकार किया। साथ ही सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में ऑन लाइन मार्किंग को लेकर हुआ विवाद भी हल हो गया है। ऐसे में दूसरी मांग का महत्व केवल सैद्धांतिक ही रह जाता है।

इसी तरह देश में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं जैसे स्थायी मुद्दे हैं, लेकिन उनको लेकर भी कोई बड़ा आंदोलन (किसान आंदोलन छोड़ दें) तो अन्ना आंदोलन के बाद बीते डेढ़ दशक में खड़ा नहीं हो सका है।

दूसरे, पेपर लीक मामले के भुक्त भोगी युवा भी अगर सोनम के आंदोलन से ज्यादा नहीं जुड़ रहे तो इस आंदोलन के औचित्य पर उन्हें पुनर्विचार करना चाहिए। वैसे भी आज के जमाने में किसी भी मुद्दे पर युवाओं को सड़कों तक खींच लाना शिव धनुष उठाने जैसी चुनौती है। क्योंकि युवाओं की समस्याएं भले ही जायज और पुरानी हो, लेकिन विचार और एप्रोच की दृष्टि बहुत एकाकी और आत्मकेन्द्रित है।

सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन जैसे बड़े उद्देश्यों के लिए व्यापक आंदोलन की खातिर समुचित भीड़ जुटाना अब टेढ़ी खीर है, खासकर उस पीढ़ी से जो आपसी संवाद, प्रेम और नफरत भी व्हाट्सएप मैसेजों और सोशल मीडिया के जरिए करती हो। विपक्षी पार्टियों ने भी सोनम के आंदोलन को जबानी समर्थन इस सावधानी के साथ दिया कि कहीं इसका श्रेय सोनम अकेले न ले जाएं। बहुत से बुद्धिजीवियों में सोनम के आंदोलन को लेकर कुछ ज्यादा ही संवेदना थी।

एक पत्रकार ने इस मुद्दे पर आम लोगों की निर्लिप्तता पर क्षुब्ध होकर लिखा कि आज की पीढ़ी को 'सोनम रघुवंशी चाहिए, सोनम वांगचुक नहीं।' यह अपने आप में प्रतीकात्मक बात थी। अलबत्ता सोनम के समर्थन में कुछ मशहूर हस्तियों की सोशल मीडिया पोस्ट देखने को मिलीं, जिससे कुछ खास बनना बिगड़ना नहीं था।

शायद सरकार को भी इस आंदोलन की गहराई का पूरा अंदाजा था, इसलिए उसने शुरू में उसे अनदेखा किया और पानी सिर से गुजरते ही सोनम को अस्पताल पहुंचा दिया। अब आगे इस आंदोलन को फिर से जिंदा करना आसान नहीं है। संभव है कि सरकार की नजर में 'आंदोलनजीवी' सोनम फिर कोई नया मुद्दा लेकर फिर अनशन पर बैठ जाएं। इसी संदर्भ में एक अहम बात अभिनेता आमिर खान का स्पष्टीकरण है।

आमिर ने सोनम के आंदोलन का समर्थन तो किया, साथ में यह भी कहा कि उनकी हिट फिल्म 'थ्री इडियट्स' का चर्चित पात्र 'रेंचो' (फुनसुख वांगडू) सोनम वांगचुक से प्रेरित नहीं था। अभी तक यही माना जाता रहा है कि उस चरित्र के पीछे प्रेरणा सोनम वांगचुक थे। आमिर ने यह सफाई अभी क्यों दी, यह भी बड़ा सवाल है।

वैसे सोनम पहले भी आमरण अनशन करते रहे हैं। इस मामले में उनकी तुलना महाराष्ट्र के मनोज जरांगे से की जा सकती है, जो हर दो–चार महीने में मराठा आरक्षण को लेकर आमरण अनशन शुरू कर देते हैं, लेकिन राजनीति के दुष्चक्र को अभी तक नहीं भेद पाए हैं।

पिछले साल भी सोनम केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और राज्य में छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर गांधीवादी तरीके 15 दिनों तक क्रमिक अनशन पर बैठे थे। लेकिन बाद में आंदोलन के हिंसक होने से सोनम को अपना अनशन समाप्त करना पड़ा था। सरकार ने इस हिंसा के लिए वांगचुक को ही जिम्मेदार माना था।

दरअसल साठ वर्षीय सोनम वांगचुक को एक नवाचारी, पर्यावरणवादी और शिक्षा विद के रूप में जाना जाता है। उनके पिता भी जम्मू–कश्मीर राज्य में मंत्री रहे हैं। वो पेशे से इंजीनियर हैं और जनआंदोलन में अग्रणी रहे हैं। लेकिन जब से वो राजनीतिक आंदोलन में शामिल हुए हैं, सरकार के निशाने पर हैं। हालांकि वो हिम्मत हारने वालों में से नहीं है। देखने की बात यह है कि सोनम अब आगे क्या करते हैं और सरकार उनके साथ क्या सलूक करती है?

सम्पादकीय

जमीन पर अखिलेश यादव की एंट्री

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों समाजवादी पार्टी ने ऐसा दांव चला है, जिसने बहुजन समाज पार्टी की बेचौनी बढ़ा दी है और भारतीय जनता पार्टी को भी माथा खुजलाने पर मजबूर कर दिया है। बात सिर्फ टिकट बांटने की नहीं है, बल्कि उस नई सामाजिक बिसात की है, जिस पर अखिलेश यादव अब दलित, पिछड़ा और मुस्लिम समीकरण को नए अंदाज में जमाने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि सियासी गलियारों में चर्चा गर्म है कि समाजवादी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में लगभग सौ दलित उम्मीदवार मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। इनमें सामान्य सीटों पर भी दलित चेहरों को मौका देने की रणनीति शामिल है। समाजवादी पार्टी का मानना है कि अगर बहुजन समाज पार्टी की पारंपरिक जमीन पर सेंध लगानी है तो केवल भाषणों से काम नहीं चलेगा, बल्कि टिकट वितरण में भी साहस दिखाना होगा।

दरअसल, यह पूरी कवायद उस बदले हुए राजनीतिक माहौल का नतीजा है, जिसमें बहुजन समाज पार्टी धीरे धीरे अपने पुराने प्रभाव से दूर होती दिखाई दे रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी का खाता तक नहीं खुला और उसका मत प्रतिशत भी तेजी से नीचे आया। उधर समाजवादी पार्टी ने यह समझ लिया है कि अगर दलित मतदाता का एक हिस्सा भी उसके साथ मजबूती से आ गया, तो उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता और आसान हो सकता है।

इसी सोच के तहत पार्टी अब आरक्षित सीटों तक सीमित रहने की बजाय सामान्य सीटों पर भी दलित प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जहां समाजवादी पार्टी का संगठन बहुत मजबूत नहीं है, वहां दलित उम्मीदवारों को उतारकर नया सामाजिक समीकरण बनाया जाएगा। यानी जहां जमीन कमजोर है, वहां जातीय गणित से जीत का पुल तैयार करने की कोशिश होगी।

दिलचस्प बात यह है कि यह प्रयोग पूरी तरह नया भी नहीं है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने कई दलित उम्मीदवार उतारे थे और उसका फायदा भी मिला। अयोध्या, मेरठ और फैजाबाद जैसी सीटों पर पार्टी ने दलित चेहरों को मौका देकर राजनीतिक संदेश दिया था कि अब पार्टी केवल यादव मुस्लिम पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहती।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अखिलेश यादव अब उस छवि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें समाजवादी पार्टी को केवल यादव और मुस्लिम मतों की पार्टी माना जाता था। यही कारण है कि पार्टी अब दलित समाज में लगातार संवाद बढ़ा रही है। पंचायत स्तर से लेकर विधान परिषद तक प्रतिनिधित्व का नया खाका तैयार किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के भीतर भी यह समझ बन रही है कि बहुजन समाज पार्टी के कमजोर पड़ने से जो राजनीतिक खालीपन बना है, उसे भरने का यह सबसे सही समय है। पार्टी नेताओं का दावा है कि दलित समाज का एक हिस्सा अब नए राजनीतिक विकल्प की तलाश में है। ऐसे में अगर सम्मानजनक भागीदारी दी जाए, तो यह वर्ग स्थायी रूप से नए गठजोड़ की तरफ आ सकता है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी भी इस बदलते समीकरण को लेकर सतर्क दिखाई दे रही है। भाजपा को मालूम है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित मतदाता सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि चुनावी दिशा तय करने वाला निर्णायक वर्ग है। इसी कारण भाजपा लगातार अपने दलित संपर्क अभियान को तेज कर रही है और यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि उसका सामाजिक विस्तार अभी भी कायम है।

बहुजन समाज पार्टी के लिए यह स्थिति सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण बनती जा रही है। कभी दलित राजनीति की सबसे बड़ी धुरी रही पार्टी अब दो तरफा दबाव में है। एक तरफ भाजपा उसका परंपरागत वोट बैंक खींच रही है, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी नए अंदाज में दलित नेतृत्व को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

राजनीति के पुराने खिलाड़ी मानते हैं कि यह पूरा खेल केवल टिकटों का नहीं, बल्कि प्रतीकों और संदेशों का है। अखिलेश यादव यह जताना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी अब केवल एक जाति विशेष की पार्टी नहीं रही। वहीं भाजपा यह साबित करने में जुटी है कि उसका सामाजिक समीकरण अभी भी सबसे व्यापक है। और बहुजन समाज पार्टी इस कोशिश में लगी है कि उसका कोर मतदाता पूरी तरह छिटकने न पाए।

बहरहाल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह नया दौर बेहद दिलचस्प होने वाला है। अब चुनावी मंचों पर केवल विकास और वादों की बात नहीं होगी, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व की नई पटकथा भी लिखी जाएगी। फिलहाल इतना तय है कि दलित राजनीति अब केवल एक पार्टी की जागीर नहीं रही। साइकिल, कमल और हाथी तीनों अब उसी मैदान में उतर चुके हैं, जहां हर वोट के पीछे पूरा सामाजिक गणित छिपा है।

क्या युवाओं पर केंद्रित हो रही है कांग्रेस की नई राजनीति?

लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता और कांग्रेस की उम्मीद राहुल गांधी की देहरादून में 17 जुलाई को आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक सभा नहीं थी। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की चुनावी रणनीति का ऐसा संकेत भी थी, जिसे केवल उत्तराखंड के संदर्भ में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में भी पढ़े जाने की आवश्यकता है।

राजस्थान के कोटा से प्रारंभ हुए इस अभियान का दूसरा बड़ा पड़ाव उत्तराखंड बना। यह चयन संयोग नहीं माना जा सकता।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, चयन प्रक्रियाओं पर सवाल, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं में गहराते असंतोष के कारण राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है। कांग्रेस ने इन्हीं परिस्थितियों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह रहा कि राहुल गांधी ने अपने पूरे संबोधन को लगभग पूरी तरह पेपर लीक, रोजगार, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य तक सीमित रखा।

उन्होंने राज्य सरकार या केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमलों के लिए उपलब्ध अनेक अन्य विवादित मुद्दोंकृमहंगाई, अंकिता भंडारी हत्याकांड, बदरीनाथ धाम में दान राशि चोरी, दो कार्यकाल की एंटी–इंकम्बेंसी अथवा सामाजिक–राजनीतिक विवादोंकको लगभग पूरी तरह अनदेखा किया। यह चयन स्वयं में राजनीतिक संदेश देता है।

दरअसल, भाजपा और राज्य सरकार ने भी राहुल गांधी के संभावित राजनीतिक हमलों का पूर्वानुमान लगाया हुआ था। उत्तराखंड सैनिक परंपरा वाला राज्य है। बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं। माना जा रहा था कि राहुल गांधी अग्निवीर योजना को प्रमुख मुद्दा बनाएंगे।

यही कारण था कि उनके कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले राज्य सरकार ने अग्निवीरों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया तथा राज्य स्तर पर अग्निवीर प्रकोष्ठ के गठन की घोषणा भी कर दी। राजनीतिक दृष्टि से यह एक प्रकार की पूर्व तैयारी थी।किंतु राहुल गांधी ने इस विषय को छूने के बजाय अपना पूरा फोकस युवाओं की शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और रोजगार पर केंद्रित रखा। इससे यह संकेत मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल उन मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहती है, जिन पर उसे व्यापक सामाजिक सहमति और राजनीतिक स्वीकार्यता मिलने की संभावना दिखाई देती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों में अपनी राजनीति का स्वरूप लगातार बदलते दिखाई देते हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे विषयों को केंद्र में रखा था। अब श्छात्रों की गूंजश अभियान में युवाओं और शिक्षा को प्रमुख स्थान दिया गया है।

कोटा में उन्होंने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को षरिजेक्शन सिस्टमष बताते हुए कहा था कि व्यवस्था छात्रों को अवसर देने के बजाय उन्हें बाहर करने का माध्यम बन गई है। देहरादून में भी उनके भाषण का मूल स्वर यही रहा कि शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई युवाओं के भीतर गहरा असंतोष पैदा कर रही है।

उत्तराखंड का चयन भी राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और अन्य चयन प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं ने हजारों युवाओं को प्रभावित किया। राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू किया, अनेक गिरफ्तारियां हुईं और जांच एजेंसियों ने कार्रवाई भी की।

सरकार का दावा है कि उसने भर्ती प्रणाली को पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शी बनाया है। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं हैय युवाओं का विश्वास तभी लौटेगा जब समयबद्ध, निष्पक्ष और नियमित भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। यही वह राजनीतिक रिक्ति है, जिसमें कांग्रेस अपनी संभावनाएं तलाश रही है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी का यह कार्यक्रम पारंपरिक विपक्षी राजनीति से कुछ अलग दिखाई देता है। सामान्यतः विपक्ष सरकार को घेरने के लिए उपलब्ध हर मुद्दे का उपयोग करता है। लेकिन देहरादून में राहुल गांधी ने अपेक्षाकृत संयमित रणनीति अपनाई।

उन्होंने आरोपों की सूची प्रस्तुत करने के बजाय एक ही विषयकृयुवाओं के भविष्यकृ पर लगातार बल दिया। इससे यह आभास मिलता है कि कांग्रेस फिलहाल अपने राजनीतिक संदेश को बिखरने देने के बजाय सीमित लेकिन प्रभावी मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहती है।

इसके पीछे एक महत्वपूर्ण चुनावी गणित भी दिखाई देता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक, निजी शिक्षा की बढ़ती लागत और सरकारी नौकरियों के सीमित अवसर लगभग हर राज्य के युवाओं की साझा चिंता बन चुके हैं। जातीय और क्षेत्रीय मुद्दों से परे यह ऐसा प्रश्न है जो देशव्यापी राजनीतिक विमर्श का आधार बन सकता है। संभवतः इसी कारण कांग्रेस इस विषय को राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देने का प्रयास कर रही है।

हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि केवल राजनीतिक विमर्श से युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। यदि विपक्ष इन मुद्दों को लगातार उठाता है तो सरकारों पर सुधार का दबाव बढ़ेगा, लेकिन अंततः सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता कितनी बढ़ती है, रिक्त पद कितनी शीघ्रता से भरे जाते हैं और रोजगार सृजन की गति कितनी तेज होती है।

उत्तराखंड सहित अनेक राज्यों में शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती संख्या सरकारों के सामने वास्तविक चुनौती बनी हुई है।

भाजपा की ओर से भी यह समझा जा रहा है कि युवाओं का यह वर्ग आगामी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारें कौशल विकास, स्टार्टअप, स्वरोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सैन्य सेवाओं से जुड़े अवसरों को लगातार सामने रख रही हैं।

अग्निवीर योजना के समर्थन में राज्य सरकार की सक्रियता भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। अर्थात दोनों प्रमुख दल अब युवाओं को अपने राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रखने लगे हैं, भले ही उनके समाधान और प्राथमिकताएं अलग–अलग हों।

देहरादून का कार्यक्रम एक और संकेत देता है। भारतीय राजनीति लंबे समय तक पहचान आधारित मुद्दोंकृजाति, धर्म, क्षेत्र और व्यक्तित्वकृके इर्द–गिर्द घूमती रही है। लेकिन अब रोजगार, शिक्षा, परीक्षा व्यवस्था और अवसरों की समानता जैसे विषय भी समानांतर रूप से राजनीतिक एजेंडा बनते दिखाई दे रहे हैं। यह परिवर्तन धीमा अवश्य है, परंतु महत्वपूर्ण है।

यदि राजनीतिक दल इन प्रश्नों को केवल चुनावी नारों तक सीमित रखने के बजाय ठोस नीतिगत बहस का हिस्सा बनाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

अंततः देहरादून का श्छात्रों की गूंजश कार्यक्रम केवल राहुल गांधी की एक सभा भर नहीं था। यह कांग्रेस की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताओं की झलक भी था। पार्टी ने संकेत दिया है कि वह युवाओं के बीच अपनी राजनीतिक जमीन शिक्षा, रोजगार और अवसरों के सवालों पर तैयार करना चाहती है। यह रणनीति कितनी सफल होगी, इसका उत्तर भविष्य देगा।

किंतु इतना स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनावी प्रश्न केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि युवाओं का भविष्य, रोजगार की गुणवत्ता और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता भी होगा। यदि ऐसा होता है तो यह भारतीय लोकतंत्र के विमर्श में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जाएगा।

जनमेजय को कैसे लगा ब्रह्महत्या-दोष?

राजा नहुष और उनकी पत्नी विरजा के छह पराक्रमी पुत्र थे–यति, ययाति, संयाति, आयाति, भव और सुयाति। इनमें सबसे बड़े यति ने राजसुख त्यागकर वैराग्य का मार्ग अपनाया और तपस्वी बन गए। उन्होंने ककुत्स्थ की पुत्री गौ से विवाह किया, किंतु बाद में मोक्षधर्म का अनुसरण करते हुए जीवन ब्रह्मस्वरूप मुनि के रूप में बिताया।

यति के बाद ययाति राजा बने। उन्होंने अपने पराक्रम से संपूर्ण पृथ्वी पर विजय प्राप्त की। उनका विवाह शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी तथा असुरराज वृषपर्वा की पुत्री शर्मिष्ठा से हुआ। देवयानी से यदु और तुर्वसु उत्पन्न हुए, जबकि शर्मिष्ठा से द्रुह्यु, अनु और पुरु का जन्म हुआ। ययाति अत्यंत साहसी थे। उनके अद्भुत पराक्रम से प्रसन्न होकर देवराज इंद्र ने उन्हें स्वर्ण निर्मित एक अत्यंत प्रकाशमान दिव्य रथ प्रदान किया, जिसमें मन के समान वेगशाली, श्वेतवर्ण अश्व जुते हुए थे। वह स्वर्ण निर्मित रथ कहीं भी अवरुद्ध नहीं होता था। उसी रथ पर वह अपनी पत्नी को ब्याह कर लाए थे। उसी के द्वारा दुर्धर्ष राजा ययाति ने केवल छह रातों में संपूर्ण पृथ्वी, देवताओं और दानवों तक को जीत लिया था। वह दिव्य रथ परंपरा से सभी पौरव राजाओं के पास सुरक्षित रहा।

आगे चलकर कुरुवंशी परीक्षित–पुत्र इंद्रोत जनमेजय को गार्ग्य मुनि ने शाप दिया था, जिसके कारण वह रथ उनके पास से अदृश्य हो गया था। घटना यह थी कि गार्ग्य मुनि का एक पुत्र था, जो अत्यंत वाचाल था। उसे इंद्रोत जनमेजय ने मार डाला, जिससे उन्हें ब्रह्महत्या का पाप लगा। ब्रह्महत्या के कारण पुरवासियों और जनपद के लोगों ने उनका त्याग कर दिया और उनके शरीर से लोहे जैसी दुर्गंध आती थी। वह इधर–उधर भटकते रहे, पर कहीं भी शांति नहीं मिली। तब दुखी होकर वह शौनक मुनि की शरण में गए।

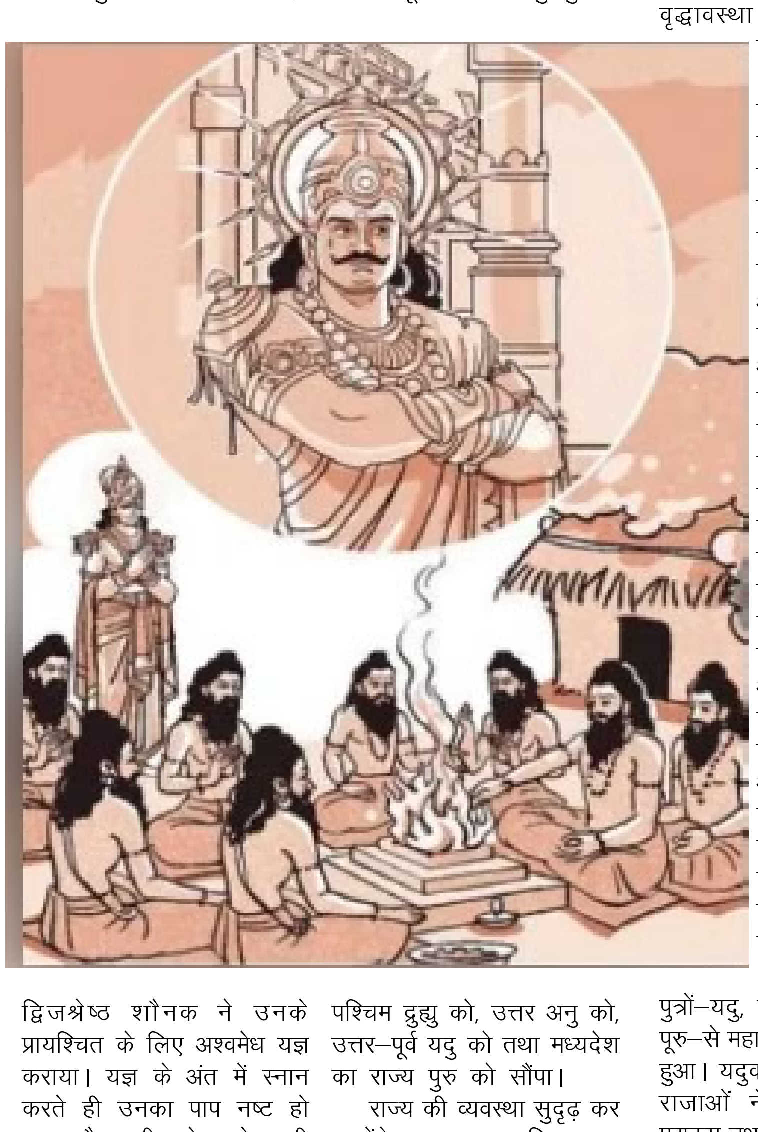

द्विजश्रेष्ठ शौनक ने उनके प्रायश्चित के लिए अश्वमेध यज्ञ कराया। यज्ञ के अंत में स्नान करते ही उनका पाप नष्ट हो गया और शरीर से आने वाली लोहे की गंध भी समाप्त हो गई।

इसके बाद प्रसन्न होकर इंद्र ने वह दिव्य रथ चेदिराज उपरिचर वसु को प्रदान कर दिया। उनसे वह रथ मगधराज बृहद्रथ, उनके पुत्र जरासंध और अंततः श्रीकृष्ण को प्राप्त हुआ।

राजा ययाति ने संपूर्ण पृथ्वी को पांच भागों में विभाजित कर अपने पांचों पुत्रों में बांट दिया। दक्षिण–पूर्व का राज्य तुर्वसु को, पश्चिम द्रुह्यु को, उत्तर अनु को, उत्तर–पूर्व यदु को तथा मध्यदेश का राज्य पुरु को सौंपा।

राज्य की व्यवस्था सुदृढ़ कर उन्होंने शस्त्र त्याग दिए। इस बीच ययाति वृद्ध हो गए। ययाति ने अपने ज्येष्ठ पुत्र यदु से कहा, 'पुत्र! अपनी युवावस्था मुझे दे दो और मेरी वृद्धावस्था स्वीकार कर लो, ताकि मैं कुछ समय और जीवन का अनुभव कर सकूं।' यदु ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'पिताश्री! मैंने एक ब्राह्मण को इच्छानुसार दान देने का वचन दिया है। जब तक वह ऋण पूरा नहीं कर देता, तब तक आपकी वृद्धावस्था स्वीकार नहीं कर सकता।'

यदु का उत्तर सुनकर ययाति ने उसे शाप दिया कि उसकी संतति कभी मुख्य राजसत्ता की अधिकारी नहीं होगी। इसके बाद उन्होंने तुर्वसु, द्रुह्यु और अनु से भी आग्रह किया, किंतु किसी ने अपना यौवन नहीं दिया। परिणामस्वरूप, ययाति ने उन्हें भी शाप दे दिया। अंत में ययाति के सबसे छोटे पुत्र पुरु ने अपनी युवावस्था उन्हें देकर उनकी वृद्धावस्था धारण कर ली। फिर, ययाति ने वर्षों तक सुख भोगा। अंततः उन्हें अनुभव हुआ कि इच्छाएं भोग से नहीं, बल्कि त्याग और वैराग्य से समाप्त होती हैं। उन्होंने पुरु को उसकी युवावस्था लौटा दी और खुद वृद्धावस्था में वनवास चले गए।

ययाति के पांचों पुत्रों–यदु, तुर्वसु, द्रुह्यु, अनु और पूरु–से महान राजवंशों का विस्तार हुआ। यदुवंश और पौरव वंश के राजाओं ने अनेक युगों तक पराक्रम तथा धर्मपालन द्वारा कीर्ति अर्जित की। इन्हीं वंशों से अनेक महान सम्राट, तपस्वी, धर्मरक्षक और महायोद्धा उत्पन्न हुए, जिनकी गाथाएं महाभारत तथा पुराणों में वर्णित हैं।

जिला जेल में हिस्ट्रीशीटर की खुदकुशी के मामले की होगी न्यायिक जांच

गोरखपुर।
जिला कारागार में हिस्ट्रीशीटर शौकत अफरोज उर्फ राजू की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले की अब न्यायिक जांच कराई जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से नामित मजिस्ट्रेट पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच कर यह पता लगाएंगे कि आखिर किन परिस्थितियों में बंदी ने बैरक में फंदा लगाकर जान दी।
जांच के दौरान घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद बंदी रक्षकों के साथ ही उसी बैरक में निरुद्ध कैदियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। साथ ही यह भी खंगाला जाएगा कि घटना से पहले शौकत की गतिविधियां कैसी थीं, वह किसी मानसिक तनाव में था या किसी बंदी से उसका विवाद हुआ था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फंदे से लटकना (हैंगिंग) बताया गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर कुशीनगर जिले के कप्तानगंज स्थित अपने घर चले गए।

सीईटीपी को लेकर गीडा में असमंजस, खर्च का बोझ कम करने की मांग कर रहे उद्यमी

गोरखपुर।
गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में चार एमएलडी क्षमता के कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की स्थापना की राह आसान नहीं दिख रही है। 93 करोड़ रुपये के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर जहां जिम्मेदार विभाग संचालन की व्यवस्था तय करने में जुटे हैं, वहीं उद्यमी भी इसके खर्च का बोझ कम करने की मांग कर रहे हैं।
सीईटीपी के संचालन को लेकर जून में हुई एसपीवी की बैठक की कार्यवृत्ति अब जारी हुई है। इसमें तय किया गया कि प्रदूषित जल छोड़ने वाली औद्योगिक इकाइयों को हर साल चिह्नित किया जाएगा। बैठक में प्रशासन, गीडा, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, कंसल्टेंसी कंपनी और उद्यमियों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। प्रदूषित पानी छोड़ने वाली 55 इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी बात रखी। बैठक में कंसल्टेंसी कंपनी की ओर से तैयार डीपीआर पर चर्चा हुई, जिसमें पहले चरण में दो एमएलडी क्षमता का सीईटीपी स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है।
प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने बताया कि प्रदूषित जल छोड़ने वाली इकाइयों की सूची वर्ष 2024 के आधार पर तैयार की गई है। उद्यमियों ने सुझाव दिया कि हर साल सर्वे कर वास्तविक प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों की पहचान की जाए। उद्यमियों का कहना है कि सीईटीपी का संचालन जरूरी है लेकिन खर्च का बोझ इतना अधिक न हो कि उद्योगों के संचालन पर असर पड़े। बैठक में सहमति बनी कि सीईटीपी के निर्माण और संचालन का खर्च प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों से लिया जाएगा। यह भुगतान प्रति किलोलीटर की दर से किया जाएगा। चौंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आरएन सिंह ने कहा कि उद्यमी सीईटीपी स्थापना के पक्ष में हैं लेकिन लागत को व्यावहारिक रखने की जरूरत है ताकि उद्योगों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव न पड़े।

वीके चौधरी अध्यक्ष, प्रतीक पाडेय बने सहायक सचिव

गोरखपुर।
अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ (ग्रुप–सी), गोरखपुर मंडल का द्विवार्षिक अधिवेशन रविवार को क्षत्रिय भवन के प्रताप सभागार में हुआ। इस दौरान संघ की मंडल की नई कार्यकारिणी का चुनाव भी कराया गया। इसमें वीके चौधरी (पोस्टमास्टर, सहजनवा) को अध्यक्ष व प्रतीक पांडेय (प्रधान डाकघर) को सहायक सचिव चुना गया।
विजय कुमार (पोस्टमास्टर, पीएसी कैंप) को मंडलीय सचिव, अभिषेक प्रताप सिंह को पोस्टमैन एवं एमटीएस संवर्ग का मंडलीय सचिव चुना गया। अजय यादव (पोस्टमास्टर, घुघली) को उपाध्यक्ष व सतपाल सिंह (डाक पर्यवेक्षक, केंद्रीय उपमंडल गोरखपुर) को पोस्टमैन एवं एमटीएस संवर्ग का अध्यक्ष चुना गया। अधिवेशन में संघ के महिला मोर्चा का भी गठन किया गया। इसमें अपर्णा विशेन (पोस्टमास्टर, एयरफोर्स उपडाकघर) को मंडलीय अध्यक्ष, अनुपमा मिश्रा (एपीएम एडमिन, प्रधान डाकघर) को मंडलीय मंत्री और शिखा राज पटेल को उपाध्यक्ष चुना गया।
मुख्य अतिथि अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ ,उत्तर प्रदेश के प्रांतीय मंत्री शैलेंद्र दीक्षित व विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रमोद राय, पूर्व प्रांतीय मंत्री डॉ. शेषमणि त्रिपाठी और पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष आरएस चंद मौजूद रहे। कार्यक्रम में सहायक अधीक्षक डाकघर, केंद्रीय उपमंडल गोरखपुर लव कुमार शुक्ल पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय यादव ने व संचालन क्षेत्रीय मंत्री अखिलेश कुमार सिंह ने किया।

कार्यवाहक प्राचार्य विवाद गरमाया, दोनों पक्षों ने दी तहरीर

गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज कॉलेज में कार्यवाहक प्राचार्य की नियुक्ति को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्ष कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. एसडी राजकुमार और प्रो. रैना निवेदिता सैमुएल ने मामले में कैंट थाने में तहरीर दी। इससे मामला और गरमा गया। प्रो राजकुमार ने नियुक्ति प्रक्रिया को प्रबंध समिति के बायलॉज के विपरीत बता रहा जबकि प्रो. रैना अपनी नियुक्ति को वैधा बता रही हैं। विवाद से सोमवार को कॉलेज खुलने पर हंगामे के आसार दिख रहे हैं।
वर्तमान कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. एसडी राजकुमार का आरोप है कि प्रबंध समिति की विशेष या सामान्य बैठक बुलाए बिना व निधारित नोटिस अवधि का पालन किए बिना प्रो. रैना को कार्यवाहक प्राचार्य बनाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई की रात ईमेल से पद परिवर्तन की सूचना मिली। इसकी सत्यता जानने के लिए वह प्रयागराज गए। इसी दौरान कॉलेज परिसर में कुछ लोगों के घुसने और ताला तोड़ने की सूचना पर उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम डॉयल 112 पर शिकायत दर्ज कराई।
उनका दावा है कि जिस पत्र के आधार पर नई नियुक्ति की गई, उस पर हस्ताक्षर करने वाले दो सदस्यों ने बाद में अपने हस्ताक्षर वापस ले लिए। साथ ही विश्वविद्यालय ने उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के अंतिम निर्णय तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है।
दूसरी ओर, प्रो. रैन ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि यह निर्णय प्रबंध समिति की बैठक से नहीं बल्कि चर्च के सर्कुलर एक्शन रेगुलेशन के तहत लिया गया। इसमें सभी 17 संबंधित सदस्यों को समय से सूचना दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में हस्ताक्षर वापस लेने वाले सदस्यों पर दबाव और प्रलोभन डाला गया। उनका दावा है कि 18 जुलाई को उन्हें विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया गया और प्रबंध समिति के अधिकांश सदस्य उनके समर्थन में हैं।

युवा कर्मचारियों को ग्राहक सेवा और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के दिए गए टिप्स

गोरखपुर।
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन, गोरखपुर अंचल की ओर से रविवार को मुख्य शाखा परिसर, बैंक रोड में युवा संगोष्ठी, संगठनात्मक परिचर्चा एवं विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें युवा बैंककर्मियों को बेहतर ग्राहक सेवा, उनके अधिकारों एवं बढ़ते वित्तीय साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।
इस अवसर पर क्षेत्रीय सचिव कमाल अख्तर और आयोजन सचिव पीके सिंह के सेवानिवृत्त होने पर उनका सम्मान कर विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप महामंत्री राहुल कुमार गुप्ता ने कहा कि बैंकों में बड़ी संख्या में युवा कर्मचारी शामिल हो रहे हैं। ऐसे आयोजन उन्हें ग्राहक केंद्रित सेवाएं देने, अपने अधिकारों और दायित्वों को समझने व वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों पर भी चर्चा की।
मुख्य अतिथि स्टाफ एसोसिएशन, लखनऊ मंडल के महामंत्री डॉ. डीके सिंह, मंडल अध्यक्ष अजय पांडेय और अष्ट मंडल के उपाध्यक्ष एसपी त्रिपाठी ने संगठन की गतिविधियों की सराहना की। एसबीआई, गोरखपुर अंचल के उप महाप्रबंधक सुमन बक्शी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम कर्मचारियों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों पर खुलकर चर्चा करने का अवसर देते हैं। उन्होंने कर्मचारियों से ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

शिक्षक हित में आवाज बुलंद करने का लिया संकल्प

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) का मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को तारामंडल स्थित एक निजी लॉन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में शिक्षकों के हित में आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया गया। एमएलसी चुनाव को लेकर

भी रणनीति बनाई गई।
गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संगठन के अधिकृत प्रत्याशी सत्यपाल सिंह का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान विधान परिषद शिक्षक निर्वाचन चुनाव को लेकर व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया।
सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रांतीय संरक्षक जगदीश पांडेय ठकुराई ने कहा कि विधान परिषद में शिक्षक प्रतिनिधि की भूमिका केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं होती बल्कि शिक्षकों के अधिकारों, सम्मान और समस्याओं की प्रभावी पैरवी करना भी उसकी प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।
सम्मेलन को प्रांतीय मंत्री नवनाथ दुबे, डॉ. अजय पांडेय, देवेंद्र प्रताप सिंह गौतम, सत्येंद्र उपाध्याय, अब्दुल्ला खान, कैप्टन जितेंद्र सिंह, ताज अजय श्रीवास्तव और डॉ. शोभित श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती और शिक्षक हितों की रक्षा के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर चुनाव अभियान को सफल बनाना होगा।

दाह संस्कार में गए व्यक्ति की सरयू नदी में डूबने से मौत

राजगढ़ (गोरखपुर)।
गोला थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव निवासी महेंद्र कुमार (46) की रविवार अपराह्न सरयू नदी में स्नान के दौरान डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर गोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार, गांव में एक व्यक्ति के निधन के बाद महेंद्र कुमार अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रविवार अपराह्न बारानगर स्थित सरयू नदी तट पर गए थे। दाह संस्कार के बाद वह नदी में स्नान करने उतरे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें किसी तरह नदी से बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गोला पुलिस मौके पर पहुंची, आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।जानकारी के अनुसार, गांव में एक व्यक्ति के निधन के बाद महेंद्र कुमार अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रविवार अपराह्न बारानगर स्थित सरयू नदी तट पर गए थे। दाह संस्कार के बाद वह नदी में स्नान करने उतरे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

तप और समाज से जुड़ाव है साहित्य का आधार - प्रो. विश्वनाथ तिवारी

गोरखपुर।
पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने कहा कि जिसने भी जीवन में बड़ा कार्य किया है, उसने तप के बल पर ही सफलता प्राप्त की है। साहित्य का तप अलग होता है, क्योंकि साहित्य समाज से कभी अलग नहीं हो सकता। साहित्य में पूरी सृष्टि समाहित होती है। साहित्य का आधार तप और समाज से जुड़ाव है।वह रविवार को नांगलिया शिक्षा एवं स्वास्थ्य संस्थान (नेहा) की ओर से आयोजित साहित्य विमर्श में साहित्य, समाज और डिजिटल युग विषय पर बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लिखा गया साहित्य भविष्य का भी मार्गदर्शन करता है।
मुख्य वक्ता प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि साहित्य और समाजशास्त्र को आलोचनात्मक चिंतन के आधार पर समाज का मार्गदर्शन करना चाहिए। डिजिटल युग पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीक केवल एक माध्यम है, मस्तिष्क और विचार ही सबसे महत्वपूर्ण हैं। डिजिटल माध्यम ने ज्ञान और अभिव्यक्ति को अधिक लोगों तक पहुंचाया है। इसलिए इसे चुनौती नहीं बल्कि अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए।
विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व और सोच का निर्माण करता है। चिकित्सकों का साहित्य, रंगमंच और कला से जुड़ना समाज के स्वस्थ विकास का संकेत है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष सिन्हा ने कहा कि डिजिटल तकनीक समाज और जीवनशैली दोनों को बदल रही है। सूचना की अधिकता के दौर में लोग गहराई से अध्ययन कम कर रहे हैं, जो चिंता का विषय है।
कार्यक्रम में प्रस्तोता डॉ. आमोद राय रहे। दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. महेंद्र अग्रवाल ने व आभार ज्ञापन डॉ. रुचिका अग्रवाल ने किया। प्रथम सत्र का संचालन चारुशिला सिंह एवं आभार राधेश्याम अग्रवाल ने किया। तृतीय सत्र में कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, डॉ. वेद प्रकाश पांडेय, प्रो. अनंत मिश्र, वीआर विप्लवी, महेश अश्क, देवेंद्र आर्य और ओम प्रकाश नदीम ने काव्य पाठ किया।

या हुसैन... या अब्बास की सदाओं के बीच निकला दुलदुल व परचम-ए-अब्बास का जुलूस

गोरखपुर।
सफर माह के पहले रविवार को जाफरा बाजार में हजरत इमाम हुसैन और हजरत अब्बास की याद में दुलदुल व परचम–ए–अब्बास का जुलूस निकाला गया। रिमझिम बारिश के बीच बड़ी संख्या में अकीदतमंद काले लिबास में नंगे पांव जुलूस में शामिल हुए। पूरे मार्ग पर या हुसैन... या अब्बास... की सदाएं गूंजती रहीं।
ऑल इंडिया शिया कॉन्फ्रेंस के जिलाध्यक्ष सैयद वसी अख्तर रिजवी की सरपरस्ती में हरीश चौक स्थित इमामबारगाह मरहूम सैयद लियाकत हुसैन के आवास पर मजलिस का आयोजन हुआ। सैयद वसी अख्तर रिजवी, शकील अख्तर रिजवी, हसन अख्तर रिजवी और अली मिर्जा ने मर्सिया पेश किया। इसके बाद विभिन्न नौहाख्वानों ने कलाम पढ़े।
मौलाना सैयद काशिफ रजा रिजवी ने कर्बला के वाकये, हजरत अब्बास की वफादारी और इमाम हुसैन की कुर्बानी पर रोशनी डालते हुए इंसानियत, सब्र और सत्य के रास्ते पर चलने का संदेश दिया। इसके बाद दुलदुल और परचम–ए–अब्बास का जुलूस रवाना हुआ।
अंजुमन गुंचा–ए–मजलूमियां फैजाबाद और अंजुमन हुसैनिया गोरखपुर के अजादारों ने नौहाख्वानी व सीना–जनी कर शोहदा–ए–कर्बला को खिराज–ए–अकीदत पेश की। जुलूस विभिन्न मार्गों से होकर इमामबाड़ा सैयद अली मरहूम पहुंचकर संपन्न हुआ। शिया जामा मस्जिद के इमाम–ए–जुमा मौलाना शमशाद अब्बास ने कहा कि कर्बला इंसाफ, इंसानियत और जुल्म के खिलाफ संघर्ष का अमर संदेश है।

जंगल कौड़िया जीरो पॉइंट पर खाई में गिरी कार, चार घायल

जंगल कौड़िया (गोरखपुर)।
जंगल कौड़िया जीरो पॉइंट के पास रविवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए।
स्थानीय लोगों के अनुसार, कार गोरखपुर से पीपीगंज की ओर जा रही थी। तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सड़क की पटरी से खाई में जा गिरी। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। बताया जा रहा है कि सभी को हल्की चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीण घायलों को अस्पताल ले गए इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी। घटना के बाद मौके पर कोई घायल नहीं मिला। हादसे की सूचना जंगल कौड़िया चौकी या पीपीगंज थाने को नहीं दी गई। पीपीगंज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में कोई तहरीर या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

रघुनाथ चंद स्मृति पुरस्कार के लिए 26 तक करें आवेदन

गोरखपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व प्रताप सभागार फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक रविवार को क्षत्रिय भवन पर हुई। इस दौरान बताया गया कि डॉ. रघुनाथ चंद स्मृति पुरस्कार के लिए 26 तक आवेदन किया जा सकता है।
महानगर महामंत्री इंद्रजीत चंदेल ने बताया कि कक्षा 10वीं व 12वीं के सभी बोर्ड के मेधावी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। मार्कशीट की छाया प्रति व्हाट्सएप नंबर 9450883369 पर भेज सकते हैं या छायाप्रति प्रताप सभागार कार्यालय पर जमा कर सकते हैं। पुरस्कार दो अगस्त को दिया जाएगा।

अंडरपास निर्माण की जद में 50 मकान, विरोध पर चिन्हांकन रुका

गोरखपुर।
नंदानगर में प्रस्तावित रेलवे अंडरपास परियोजना के लिए शुरू किया गया भूमि चिह्नांकन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद रोकना पड़ा। परियोजना की जद में करीब 50 मकान और दुकानें आ रही हैं। लोगों का कहना है कि सड़क की चौड़ाई के प्रस्तावित डिजाइन से अनावश्यक रूप से भवन प्रभावित हो रहे हैं।
नंदानगर पुलिस चौकी से आकाश विहार शमशेर गेट मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे समय से जाम की समस्या बनी रहती है। इसी को देखते हुए शासन ने 73.64 करोड़ रुपये की लागत से 160 मीटर लंबे अंडरपास को मंजूरी दी है। परियोजना के तहत नंदानगर पुलिस चौकी से रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क की चौड़ाई 37.20 मीटर प्रस्तावित है जबकि क्रॉसिंग के आगे यह करीब 10 मीटर रह जाएगी। इसी डिजाइन को लेकर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं।
तीन दिन पहले लोक निर्माण विभाग ने भूमि चिह्नांकन शुरू कराया था। शुरुआत में लोगों ने सहयोग किया लेकिन प्रभावित भवनों की जानकारी मिलने पर विरोध शुरू हो गया। बढ़ते विरोध के बीच विभागीय टीम को चिह्नांकन का कार्य बीच में ही रोकना पड़ा।
परियोजना में अंडरपास निर्माण पर 26.45 करोड़, भूमि अधिग्रहण व भवन ध्वस्तीकरण पर 34.61 करोड़ और सर्विस रोड निर्माण पर 12.57 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना पूरी होने पर नंदानगर, आकाश विहार, शमशेर गेट समेत आसपास के करीब 80 हजार लोगों को रेलवे फाटक के जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

मातृ मृत्यु दर कम करने की महत्वपूर्ण पहल है मातृत्व सेवा कार्यक्रम

गोरखपुर। एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने कहा कि मातृ सेवा कार्यक्रम मातृ मृत्यु दर कम करने की महत्वपूर्ण पहल है। एम्स इस अभियान में पूरा सहयोग देता रहेगा।
वह रविवार को एम्स और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मातृ सेवा कार्यक्रम के तहत आयोजित क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि जिले में इस कार्यक्रम के तहत अब तक 400 से अधिक सुरक्षित प्रसव कराए जा चुके हैं। निजी अस्पतालों की भागीदारी से मातृ स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी। एम्स की डॉ. उमा सिंह ने उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों के सही समय पर रेफरल और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने पर जोर दिया। डॉ. शिखा सेठ ने बताया कि प्रतिभागियों को हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग भी दी गई, जिससे डॉक्टर प्रसव संबंधी जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे।

बीआरडी में जूनियर डश्क्टर और तीमारदार में मारपीट

गोरखपुर।
बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरु अस्पताल के सर्जरी वार्ड नंबर–8 में रविवार शाम मरीज के तीमारदार और जूनियर डॉक्टर के बीच विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट की नौबत आ गई। सूचना पर मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया।
जानकारी के अनुसार, वार्ड में भर्ती एक मरीज से मिलने पहुंचे उसके तीमारदार ने मोबाइल फोन से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इस पर ड्यूटी पर मौजूद जूनियर डॉक्टर ने अस्पताल के नियमों का हवाला देते हुए वीडियो बनाने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई जो देखते ही देखते धक्का–मुक्की और मारपीट में बदल गई।
घटना की सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और तीमारदार को अपने साथ चौकी ले गई। पूछताछ के बाद उसे घर भेज दिया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, वार्ड में भर्ती मरीज का उपचार सामान्य रूप से जारी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

खनन माफिया पर हो सख्त कार्रवाई, भरे जाएं गड्ढे

गीडा (गोरखपुर)।
थाना क्षेत्र में अवैध खनन से बने गड्ढे में डूबकर जान गंवाने वाले 12 वर्षीय अभिषेक विश्वकर्मा का रविवार को राप्ती नदी के नौसड़ तट पर अंतिम संस्कार किया गया। पिता सुनील विश्वकर्मा ने नम आंखों से बेटे को मुखाग्नि दी। इस दौरान घाट पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। लोगों ने खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही अवैध खनन से हुए गड्ढों को भरवाने की मांग की है।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, पत्नी-बेटा समेत पांच घायल

तिलहर।
निगोही मार्ग पर रविवार दोपहर रटा पुल के पास दो बाइकों की आमने–सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर क्षेत्र के गांव चित्रकूट निवासी 25 वर्षीय विमलेश की मौत हो गई। हादसे में उनकी पत्नी और बेटा समेत दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
गांव निवासी रघुवीर के पुत्र विमलेश रविवार दोपहर करीब दो बजे पत्नी कंचन और एक वर्षीय पुत्र प्रभात को निगोही स्थित उनके ननिहाल से लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। उसी समय निगोही क्षेत्र के गांव चौढ़ेरा चौढ़ेरी निवासी मोहित अपनी माता मंगलेश और बहन काव्या को लेकर बाइक से आ रहे थे। रटा पुल के पास दोनों बाइकों की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज हुई कि दोनों बाइकों के परखचे उड़ गए और सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय दोनों बाइकों के चालक हेलमेट नहीं लगाए हुए थे, जिससे उन्हें सिर में गंभीर चोटें आईं।
हादसे के बाद घायलों में चीख–पुकार होने लगी। सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। वहां डाक्टर ने विमलेश को मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी कंचन और एक वर्षीय पुत्र प्रभात का उपचार सीएचसी में चल रहा है। दूसरी बाइक पर सवार मोहित, उनकी मां और बहन की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का जायजा लेकर जरूरी साक्ष्य जुटाए और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। विमलेश की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में मातम पसर गया। सीएचसी में भर्ती उनकी पत्नी कंचन का रो–रोकर बुरा हाल है।
सीओ इशिका सिंह ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत होने पर उनके घरवालों को सूचना दे दी गई है। तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

33 केवी लाइन में फाल्ट से नौ हजार उपभोक्ताओं की बत्ती गुल

शाहजहांपुर।
बारिश के दौरान बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई। 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने से बहादुरगंज उपकेंद्र के नौ हजार उपभोक्ताओं की आपूर्ति ठप रही। गोविंदगंज उपकेंद्र से आपूर्ति जोड़ने के बाद भी लोकल फॉल्ट से तमाम मोहल्लों में बिजली नहीं आई। बिजली जाने से उपभोक्ताओं को दुश्वारी का सामना करना पड़ा।
रविवार सुबह करीब छह बजे 220 केवीए पैना ट्रांसमिशन से आने वाली 33 केवी लाइन ट्रिप हो गई। इससे चमकनी, करबला, कृष्णानगर, अंटा, खलीलशर्की, बहादुरपुरा समेत तमाम मोहल्लों की आपूति बाधित हो गई। बिजली जाने से लोग परेशान हो गए। करीब नौ बजे तक फॉल्ट को तलाश करने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिलने से गोविंदगंज उपकेंद्र से जोड़कर आपूर्ति को बहाल करने का प्रयास किया। एक लाइन पर दो उपकेंद्र से चलना संभव नहीं हो सका। ऐसे में कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली जाने से लोगों ने निगम के उच्च अधिकारियों को शिकायत की। करीब दोपहर तीन बजे तक बिजली की व्यवस्था पटरी पर आ सकी।
इसी तरह सुबह 9रू34 बजे गोविंदगंज फीडर में भी फॉल्ट आने से बिजली चली गई, जिसे करीब साढ़े दस बजे बहाल किया जा सका। बिजली निगम के कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर फॉल्ट ठीक कर आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया। अधिकारियों का कहना है कि बारिश के कारण लाइन में आए फॉल्ट दूर कर आपूर्ति बहाल करा दी गई है। अधीक्षण अभियंता आरपी सिंह ने बताया कि गोविंदगंज उपकेंद्र से लाइन जोड़कर आपूर्ति को बहाल कर दिया गया।

बारिश से आरोग्य मेले में कम पहुचे मरीज

शाहजहांपुर।
जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को लगे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में बारिश के बावजूद तमाम मरीज पहुंचे। हालांकि, सुबह से दोपहर तक रुक–रुककर बारिश होने से गत रविवार की तुलना में मरीज कम और देर से पहुंचे। डॉक्टरों ने सभी मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं दीं।
तिलहर। बारिश के कारण राजनपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दोपहर 12 बजे तक सिर्फ 30 मरीज उपचार के लिए पहुंचे, जबकि गत रविवार को वहां सुबह से ही मरीजों का मेला जुटा दिखा था। डॉ. अभिषेक जौहरी ने शाम चार बजे तक कुल 40 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाएं दीं। कुंवरगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दोपहर 1:10 बजे तक बारिश के कारण मरीज बहुत कम पहुंचे। वहां मिले डॉ. अनुराग गुप्ता ने बताया कि कई मरीज दवा लेकर घर जा चुके हैं। रमापुर पीएचसी में डॉक्टर की तैनाती नहीं होने के कारण फार्मासिस्ट संजीव कुमार ने शाम तक 45 मरीजों को दवाएं दीं।
खुदागंज। हसनापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगे आरोग्य मेले में डॉ. फहीम खां सुबह नौ बजे से अपने कक्ष में बैठ गए, लेकिन मरीजों के आने का सिलसिला बारिश धीमी होने पर दिन में 10:30 बजे से शुरू हुआ। बाद में फिर बारिश होने से शाम तक सिर्फ 11 मरीज पहुंचे। मीरानपुर कटरा। बारिश के कारण सिउरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित आरोग्य मेले में मात्र 21 मरीज पहुंचे। कुर्रियाकलां की पीएचसी में 14 मरीज पहुंचे। अस्पताल में लैब टेक्नीशियन नहीं होने से कुछ मरीजों के खून की जांच नहीं हो पाई। निगोही। परसौना खलीलपुर पीएचसी में आयोजित आरोग्य मेले में सीएचसी के प्रभारी डॉ. नितिन चौधरी ने सुबह से शाम चार बजे तक कुल 65 मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें जरूरी दवाएं दिलाईं। परौर। पीएचसी में आरोग्य मेले में आयुष चिकित्सक डॉ.दिनेश प्रताप सिंह ने 16 मरीजों का परीक्षण कर दवा दी।

सबलापुर में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

पुवायां।
गांव सबलापुर निवासी अमित कुमार की 29 वर्षीय पत्नी पूजा देवी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। उनका शव कमरे के कुंडे में दुपट्टे से लटका मिला है।

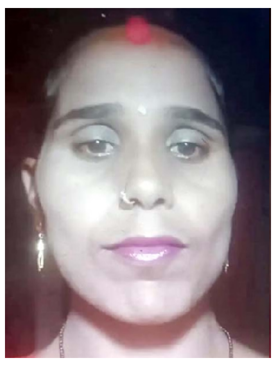

शनिवार रात पूजा देवी ससुराल के लोगों के साथ खाना खाने के बाद सोने के लिए कमरे में चली गई थीं। रविवार सुबह देर तक नहीं उठने पर परिजनों ने जाकर देखा तो पूजा देवी का शव कमरे में फंदे से लटक रहा था। शोरशराबा होने पर पड़ोस के कई लोग मौके पर पहुंचे।
सूचना पाकर पूजा देवी के पिता सिंधौली के गांव सहोरा निवासी मुन्नालाल भी पहुंचे। मुन्नालाल ने बताया कि उन्होंने पूजा की शादी नौ वर्ष पहले अपने भांजे अमित कुमार के साथ की थी। अमित एक माह पूर्व मजदूरी पर धान की रोपाई करने हरियाणा गए थे। पूजा की मौत की सूचना पर अमित हरियाणा से घर के लिए रवाना हो गए हैं।
पूजा देवी के मायके और ससुराल के लोग कार्रवाई नहीं चाहते थे। इस कारण पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी, लेकिन गांव के किसी व्यक्ति ने सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। जिला मुख्यालय से पहुंची फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। थाना प्रभारी आरके रावत ने बताया कि दोनों पक्ष कार्रवाई नहीं चाहते हैं, लेकिन शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि परिजनों और मायके पक्ष के लोगों ने कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाय से टकराए मोपेड सवार होमगार्ड की मौत

शाहजहांपुर।
रोजा क्षेत्र के कटिया कम्मू निवासी मोपेड सवार 50 वर्षीय होमगार्ड शकील की रविवार सुबह जमुही नहर के पास गाय से टकराकर मौत हो गई। वह ड्यूटी से घर लौट रहे थे।

शबील ने बताया कि बड़े भाई शकील की कलक्ट्रेट में ड्यूटी थी। रात में ड्यूटी करने के बाद रविवार सुबह अपनी मोपेड से घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, जमुही नहर के पास गाय से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद पत्नी शायरा, बेटे फरहाद और बेटी नुसरत का रो–रोकर हाल बेहाल हो गया है। दूसरी ओर पशुओं से हो रहे आए दिन हादसों को लेकर लोगों में नाराजगी है। सीओ सदर शुभम वर्मा ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

निगोही रोड पर लागू नहीं हो सकी एकल मार्ग व्यवस्था

शाहजहांपुर।
निगोही रोड पर जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रस्तावित एकल मार्ग व्यवस्था अब तक लागू नहीं हो सकी है। इसके चलते निगोही रोड और जलालनगर बजरिया क्षेत्र में रोजाना लगने वाले जाम से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए पीलीभीत–बीसलपुर और निगोही मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों के लिए एकल मार्ग व्यवस्था लागू करने की योजना बनाई थी। इसके तहत बड़े वाहनों को गदियाना से बाईपास होते हुए पुवायां रोड की ओर निकालने की तैयारी थी, ताकि जलालनगर बजरिया और निगोही रोड पर वाहनों का दबाव कम हो सके।
यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी है। चार पहिया और भारी वाहनों के एक साथ गुजरने से सड़क पर अक्सर जाम लग जाता है। संकरी सड़क होने के कारण आमने–सामने वाहन आने पर लंबी कतारें लग जाती हैं और दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों के अनुसार, इससे जलालनगर बजरिया और निगोही रोड पर जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। सीओ यातायात शुभम वर्मा ने बताया कि एकल मार्ग व्यवस्था लागू नहीं हो सकी है। संभावना है कि जल्द ही ट्रॉयल के तौर पर पहले शुरू करेंगे।

छेड़खानी की धाराएं बढ़वाने और गिरफ्तारी की मांग के लिए 25 घटे तक घर में रखा किशोरी का शव

खुटार।
क्षेत्र के एक गांव निवासी 16 वर्षीय किशोरी के फंदा लगाकर जान देने के मामले में चार लोगों पर छेड़खानी की धाराएं बढ़ाने और पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने अंतिम संस्कार से इन्कार कर दिया। सीओ के समझाने पर 25 घंटे बाद बमुश्किल परिजन माने और किशोरी के शव का अंतिम संस्कार कर दिया।
किशोरी की मां ने 17 जुलाई की शाम लगभग सात बजे पुत्री का शव घर के कमरे में फंदे से लटका देखा था। शोर होने पर आसपास के कई लोग मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से उतरवाया था। किशोरी की मां की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली थी। मां ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम पुत्री घर आई तो किसी से फोन पर बात कर रही थी और रो रही थी। बाद में जानकारी हुई कि पुत्री की गांव पिपरिया के दुर्गेश से बात हो रही थी। पुलिस ने किशोरी की मां की ओर से दुर्गेश के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली थी।
18 जुलाई की शाम पांच बजे पोस्टमॉर्टम के बाद शव घर लाया गया तो किशोरी के बहनोई ने अंतिम संस्कार कराने से इन्कार कर दिया। बहनोई का कहना था कि उनको जानकारी हुई है कि आरोपी दुर्गेश के साथ मौजूद चार लोगों ने उनकी साली से छेड़खानी की थी, जिस कारण साली ने आत्महत्या की है। उनकी मांग की कि रिपोर्ट में दुर्गेश के चार साथियों के नाम और छेड़खानी की धाराएं बढ़ाने पर ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। रविवार शाम चार बजे सीओ प्रवीण मलिक ने किशोरी के बहनोई से वार्ता कर प्रार्थनापत्र देने को कहा। सीओ ने आश्वासन दिया कि प्रार्थनापत्र की जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी। इसके बाद शाम पांच बजे किशोरी का अंतिम संस्कार किया गया। सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि दुर्गेश के खिलाफ पूर्व से मामला दर्ज है। अन्य लोगों के खिलाफ दिए गए प्रार्थना पत्र के मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

किसान नेताओं को दिल्ली जाने से रोका

पुवायां।
अमेरिका से ट्रेड डील के विरोध में सरकार के रवैये के प्रति किसान संगठनों में रोष है। किसान नेता अपनी आवाज को बुलंद करने के लिए 21 जुलाई को दिल्ली में आयोजित पंचायत में रवाना

होंगे, लेकिन उससे पहले ही उन्हें रोकने के लिए उनके घरों पर पुलिस पहुंची। इस दौरान कई नेताओं से घर पर ही रहने को कहा गया है।
पुलिस ने भटिउरिया निवासी भारतीय किसान यूनियन चढूनी गुट के तहसील अध्यक्ष संजय मिश्रा के घर पहुंचकर दिल्ली जाने के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उनके घर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। संजय मिश्रा से कहा गया कि वह घर पर ही रहें। भाकियू टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह यादव और भाकियू भानु गुट के जिलाध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह यादव सहित अन्य किसान संगठनों के नेताओं से भी पुलिस और एलआईयू के अधिकारियों ने बात कर दिल्ली जाने के बारे में जानकारी ली।
उधर, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के तहसील महासचिव सचिन मिश्रा के घर गांव सतवां बुजुर्ग पहुंची पुलिस ने उनसे वार्ता की और घर पर ही रहने को कहा है। उनके घर पुलिस तैनात की गई है।

ईसीसीई एजुकेटर के लिए आज से होंगे साक्षात्कार

शाहजहांपुर।
को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई एजुकेटर) के 160 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार सोमवार से विकास भवन सभागार में शुरू होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।
भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन करा चुके 398 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। प्रतिदिन करीब 80 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। अभ्यर्थियों की नामावली बीएसए कार्यालय में चस्पा कर दी गई है। कार्यदायी फर्म की ओर से सभी अभ्यर्थियों को दूरभाष और ई–मेल के माध्यम से भी सूचना भेजी गई है।
साक्षात्कार प्रक्रिया पारदर्शी रखने के लिए छह सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता सीडीओ करेंगे।

अच्छा खाना नहीं मिलने की शिकायत पर विवाद के बाद निकाह से इन्कार

पुवायां।
एक गांव में शादी से एक दिन पहले होने वाली बरी की रस्म में अच्छा खाना न होने की बात पर वर और वधू पक्ष में विवाद हो गया। इसके बाद वधू पक्ष ने निकाह करने से मना कर दिया।

एक गांव निवासी युवती की शादी पास के गांव में तय हुई थी। शनिवार को बरी की रस्म थ। वधू पक्ष के लोग वर पक्ष के यहां पहुंचे थे। यहां खाना खाने के दौरान वधू पक्ष के लोगों ने खाना अच्छा न होने की बात कहते हुए शिकायत की तो वर पक्ष के लोगों से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर वधू पक्ष ने निकाह करने से मना कर दिया।
काफी देर तक विवाद के बाद दोनों पक्षों ने पंचायत बुलाई। पंचायत के बाद शादी के लिए दिया गया नकदी, जेवर आदि सामान वापस करने की बात तय हुई। समझौता होने के कारण किसी भी पक्ष ने पुलिस को सूचना नहीं दी है। सीओ प्रवीण मलिक ने बताया कि इस तरह के किसी मामले में प्रार्थनापत्र नहीं दिया गया है। तहरीर मिलती है तो जांच कराई जाएगी।

महापौर के सामने फफक पड़ी छात्रा

शाहजहांपुर।
राजकीय मेडिकल कॉलेज की डायलिसिस यूनिट में हुए बवाल के तीसरे दिन पुलिस ने पैरामेडिकल छात्रा अलका की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इसमें दो नामजद व 15 से 20 अज्ञात लोगों को शामिल किया है। इससे पहले दोपहर में छात्राओं ने महापौर अर्चना वर्मा से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई थी। पैरामेडिकल की छात्रा अल्का ने बहन अनुष्का के साथ रविवार को महापौर से मुलाकात की। पीड़ित छात्रा उनके गले लगकर फफक पड़ी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अलका ने बताया कि विपक्षी लगातार समझौते का दबाव बना रहा है। महापौर ने छात्रा को ढाढ़स बंधाते हुए अधिकारियों से वार्ता कर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। इधर, देर शाम छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। इसमें बताया कि शुक्रवार को डायलिसिस यूनिट में ड्यूटी के दौरान मदनापुर थाना क्षेत्र के महियाबाद गांव निवासी विजय प्रताप की 19 वर्षीय बेटी लता सिंह आई थी। लता क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) से पीड़ित हैं। मरीज को उसके पिता विजय प्रताप सिंह, भाई अभय प्रताप सिंह ने भर्ती कराया था। मरीज के परिजनों ने वीडियो बनाने का आरोप लगाते हुए गालियां दीं और मारपीट शुरू कर दी। फिर ओपीडी में जाने के दौरान मरीज के भाई व पिता ने बाल पकड़कर पीटा और गाड़ी में डालने का प्रयास करते हुए ध
मकी दी।

बारिश से लिपुलेख-भिंड हाईवे पर जलभराव

निगोही। देर रात से रविवार को सुबह तक रुक–रुककर हुई मामूली बारिश में लिपुलेख–भिंड हाईवे पर जलभराव हो गया। इस दौरान कुछ ई–रिक्शे पलट भी गए, जिनमें सवार लोगों को चोटें आईं।
रविवार सुबह तक हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं, लेकिन हाईवे से निकलने वाले लोग परेशान हैं। हमजापुर चौराहे से शाहजहांपुर की ओर हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। हाईवे पर कई जगह दो–दो मीटर व्यास के कई फुट गहरे गड्ढे हो गए हैं।
गत वर्ष एडीएम प्रशसान रजनीश मिश्रा ने एनएचएआई के अधि
ाकारियों के साथ हाईवे की दुर्दशा देख कर नाराजगी जताते हुए तुरंत मरम्मत कराने के निर्देश दिए, लेकिन अभी तक ध्यान नहीं दिया गया। मोर्थ के प्रोजेक्ट निदेशक अमन त्रिगुण के अनुसार, किनारे की नालियां ऊंची और हाईवे की लेन नीची होने के कारण बरसात का पानी मार्ग पर इकट्ठा हो जाता है। उनका कहना है कि विभागीय टीम को भेजकर सर्वे कराने के बाद मरम्मत कार्य का एस्टीमेट बनवाया जाएगा।

बारिश से धुले व्यवस्था के दावे, सड़कों पर जलभराव

शाहजहांपुर। एक सप्ताह के बाद शनिवार देर रात से शुरू हुई बारिश ने नगर निगम के दावों को धोकर रख दिया है। दोपहर 12 बजे तक रुक–रुकर हुई बारिश से निचले इलाके समेत प्रमुख मार्गों पर जलभराव हो गया। पाइप लाइन के लिए खोदी गई सड़कें भी पानी के चलते कीचड़ से भर गईं। इससे कारण आवागमन प्रभावित रहा।
देर रात से बारिश आरंभ होने से लोगों को गर्मी से राहत मिल गई। लगातार बारिश होने से सड़कों पर जलभराव हो गया। रोडवेज बस अड्डे पर नाले से पानी की निकासी नहीं होने से सड़क तालाब बन गई। आम दिनों में यहां पर जलभराव रहता है। बारिश होने से पूरी सड़क तालाब बन गई। गड्ढों के कारण पुलिस ने यहां पर बैरियर रख दिया। इसी तरह राजघाट चौकी के पीछे बारिश की वजह से कच्ची सड़क पर दलदल जैसी स्थिति होने पर राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया। कई दो पहिया वाहन चालक कीचड़ में फंसकर गिरकर चोटिल हो गए। लाल इमली चौराहे से घंटाघर मार्ग पर पुलिया निर्माण के कारण रास्ता बंद है। यहां पर लिंक मार्ग से आवाजाही होती है। यहां पर जलभराव होने से लोगों का निकलना दूभर रहा। कवि तिराहा के पास जलभराव रहा। इसी तरह कचहरी स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय, कचहरी पुल से गोविंदगंज जाने वाली सर्विस रोड पर जलभराव और गड्ढे होने से राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया।
इसी तरह महमंद हद्दफ, झंडा कलां, बिजलीपुरा, तारीन जलालनगर, निसरजई, मोहम्मद जई, सरायकाइयां, चौक मंडी में जलभराव और कीचड़ की वजह से राहगीरों को निकलने में काफी परेशानी हुई।

बिरयानी में निकला बाल, विक्रेता पिता-पुत्र को पीटा

शाहजहांपुर। चौक कोतवाली के मोहल्ला अजीजगंज निवासी अनिल शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें बताया कि वह अपने पिता के साथ बरेली मोड़ पर वेज बिरियानी का ठेला लगाते हैं। 14 जुलाई को मोहल्ला अकर्रा रसूलपुर निवासी गौरव वर्मा स्कूटी से अपने साथी के साथ ठेले पर आया। बिरियानी खाते समय बाल निकलने पर दोनों ने गालियां दीं। विरोध करने पर उन्हें व उनके पिता के साथ मारपीट कर दी, जिससे काफी चोटें आई हैं। आरोप है कि दोनों ने उन्हें मारने की धमकी भी दी है। सीओ सिटी देवव्रत वाजपेयी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अर्जेंटीना का सपना तोड़, स्पेन बना फुटबाल का नया बादशाह, 16 साज का सूखा किया खत्म

पूरे टूर्नामेंट में चट्टान की तरह डटे रहने वाले स्पेनिश डिफेंस में सेंध लगाना अर्जेंटीना के जादुई फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के लिए भी मुमकिन नहीं हो सका। लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का मेस्सी का सपना फाइनल की आखिरी दहलीज पर आकर टूट गया। अतिरिक्त समय (106वें मिनट) में फेरान टोरेस द्वारा दागे गए एकमात्र सुनहरे गोल की बदौलत स्पेन ने अर्जेंटीना को 1–0 से हराकर 16 साल बाद विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

इस विश्व कप का उनका पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक मेस्सी को आंसुओं के साथ विदाई। टोरेस ने जीत के बाद स्पेन के लोगों का जिक्र करते हुए कहा ,'' यह गोल 47 मिलियन लोगों ने किया था।'' टोरेस स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में यह गोल दागकर स्पेन को 1 . 0 से जीत दिलाई।

उन्होंने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बायें पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है। टूर्नामेंट में आठ मैचों में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन ने चौम्पियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी।

उपविजेता का पदक लेने के बाद मेस्सी अपने आंसू नहीं रोक सके और दर्शक दीर्घा में बैठे अर्जेंटीना के समर्थकों की ओर देखकर कहा ,'' मुझे दुख हो रहा है। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो उन्होंने बेहतर खेला। हमने पूरी कोशिश की थी।'' निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरूष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। स्कोर से भले ही लगे कि यह मैच कांटे का था लेकिन असलियत यह है कि पूरे मैच में स्पेन का दबदबा था। अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में मानो अर्जेंटीना की टीम जागी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

स्पेन अब पिछले 38 मैचों से अपराजेय है जिसमें उसने 29 मैच जीते और नौ ड्रॉ खेले। यह किसी यूरोपीय टीम का अपराजेय रहने का सबसे बड़ा सिलसिला है। इससे पहले इटली ने अक्टूबर 2018 से सितंबर 2021 के बीच 37 मैचों में हार का सामना नहीं किया था।

मेस्सी ने कहा ,'' हम हार गए और हम इसे स्वीकार करते हैं। लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि हमने अब तक जैसा खेला, उसे भूल जायेंगे। मैं अपने देशवासियों, अपने खिलाड़ियों और देश को धन्यवाद देता हूं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हमने कोशिश की।'' अर्जेंटीना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पड़ा जब दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया।

उन्हें स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबारासी से खतरनाक ढंग से टकराने के कारण कार्ड मिला। स्पेन ने गोल पर 20 शॉट लगाये जबकि अर्जेंटीना ने पहला संजीदा प्रयास अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में दिखाया। स्पेन ने मैच की पहली दस कार्नर किक में से नौ हासिल की। अर्जेंटीना के लिये उसके गोलकीपर एमिलियानो मार्तिनेज ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया और विश्व कप फाइनल में रिकॉर्ड 12 शॉट बचाये। मेस्सी ने आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले कॉर्नर किक ली और गेंद रिजर्व खिलाड़ी जियुलियानो सिमोन की ओर गई जिन्होंने इसे हवा में उछाला और वह क्रॉसबार के ऊपर से निकल गई।

टोरेस ने मैच के बाद कहा ,'' जब दूसरी टीम में मेस्सी हो तो आप नर्वस तो होंगे ही। लेकिन हमने एक टीम के रूप में अपना खेल दिखाया , जो हम हमेशा दिखाते आये हैं।'' इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुऐंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा ,'' हम दुखी है लेकिन हमने पूरी कोशिश की। स्पेन की टीम बेहतर थी।''

39 वर्ष के मेस्सी पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यह उनका आखिरी विश्व कप था। मेस्सी के दौर में फुटबॉलप्रेमियों ने मैदान पर चमत्कार होते देखे। मेस्सी ने 2022 विश्व कप, 2008 बीजिंग ओलंपिक स्वर्ण पदक, 2021 और 2024 कोपा अमेरिका खिताब के साथ 19 साल में 16 बार अर्जेंटीना के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरसकार जीता है।

अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में 48 टीमों के इस सबसे बड़े विश्व कप का यह 104वां मैच था। इसे देखने के लिये टॉम क्रूज, ब्रैड पिट, जेनिफर हडसन, डेनियल क्रेग, जेनिफर कोनोली जैसे हॉलीवुड सितारे मौजूद थे जबकि काका, जिनेदीन जिदान, डेविड बैकहम, दिदियेर ड्रोग्बा, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो जैसे दिग्गज पूर्व फुटबॉलर भी दर्शक दीर्घा में थे।

मेटलाइफ स्टेडियम के भीतर 80000 दर्शकों के अलावा दुनिया भर में अरबों लोगों ने इसे देखा। और केप वर्दे से पहले ही मैच में गोलरहित ड्रॉ के बाद खिताब तक पहुंची स्पेन ने उन्हें निराश नहीं किया।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड ने जीती पहली सीरीज

रोहित शर्मा की शानदार शतकीय पारी के बावजूद इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड ने इस तरह तीन मैचों की सीरीज 2–1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड

ने इससे पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारत को 4–0 से हराया था और अब वनडे में भी अपना दबदबा दिखाया। इंग्लैंड ने 2019 के बाद पहली बार भारत के खिलाफ वनडे सीरीज अपने नाम की है।

रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने 50 ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 360 रन ही बना सकी। भारत के लिए रोहित शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेली, जबकि शुभमन गिल और विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। लक्ष्य इतना बड़ा था कि तीन बल्लेबाजों की शानदार पारियों के बावजूद भारतीय टीम ये मैच अपने नाम नहीं कर सकी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के लिए रोहित और कप्तान शुभमन गिल ने पारी का आगाज किया। इन दोनों बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 147 रनों की साझेदारी की। ये भारत के लिए लॉर्ड्स में वनडे में की गई दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। गिल हालांकि, अपना विकेट गंवा बैठे और 77 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ पारी को आगे बढ़ाया। रोहित ने तेजी से खेलते हुए 84 गेंदों पर शतक पूरा किया। रोहित लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने के वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। रोहित ने 39 साल और 80 दिन की उम्र में ऐसा किया है। इतना ही नहीं रोहित सभी प्रारूप मिलाकर भारत के लिए शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं। जैकब बेथेल ने हालांकि, रोहित को अपना शिकार बनाया जो 110 गेंदों पर 17 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 138 रन बनाकर आउट हुए।

भारत को गिल और रोहित ने अच्छी शुरुआत दिलाई थी और पहला विकेट गिरने के बाद कोहली ने भी रोहित के साथ मिलकर मोर्चा संभाले रखा था। रोहित और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रनों की साझेदारी हुई जिसे बेथेल ने तोड़ा। कोहली हालांकि, डटे रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। लॉर्ड्स में कोहली का यह पहला पचासा था। भारत को ईशान किशन के रूप में तीसरा झटका लगा जो 14 रन बनाकर आउट हुए और फिर तुरंत ही श्रेयस अय्यर खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। कोहली टिके थे तो भारत की उम्मीदें बंधी हुई थी। लेकिन सैम करन ने विराट को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। कोहली 60 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। यहां से भारत के हाथ से मैच निकल गया क्योंकि केएल राहुल और अक्षर पटेल भी सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड के लिए करन ने चार विकेट झटके, जबकि आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर और जैकब बेथेल को एक–एक विकेट मिला।

रोहित लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने अपने वनडे करियर का 34वां शतक लगाया।

दिलचस्प बात यह है कि रोहित लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर वनडे में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाजी हैं। उनसे पहले 50 ओवर के प्रारूप में अब तक कोई भारतीय बल्लेबाज लॉर्ड्स में सैकड़ा नहीं जड़ सका था। जैकब बेथेल ने हालांकि, रोहित को अपना शिकार बनाया जो 110 गेंदों पर 17 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 138 रन बनाकर आउट हुए। रोहित और विराट कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रनों की साझेदारी हुई।

इंग्लैंड ने इस मैच में भारत के सामने 388 रनों का लक्ष्य दिया। भारत के लिए रोहित और कप्तान शुभमन गिल ने पारी का आगाज किया। इन दोनों बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 147 रनों की साझेदारी की। गिल हालांकि, अपना विकेट गंवा बैठे और 77 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ पारी को आगे बढ़ाया। रोहित ने तेजी से खेलते हुए 84 गेंदों पर शतक पूरा किया। रोहित लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने के वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। रोहित ने 39 साल और 80 दिन की उम्र में ऐसा किया है। इतना ही नहीं रोहित सभी प्रारूप मिलाकर भारत के लिए शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं।

रोहित ने इंग्लैंड में आठवां शतक लगाया और वह किसी एक विदेशी देश में सर्वाधिक शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित से ज्यादा इंग्लैंड में वनडे शतक जो रूट ने लगाए हैं। रूट इंग्लैंड में 10 वनडे शतक लगा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर ने यूएई में सात वनडे शतक लगाए हैं।

पीवी सिंधु नें जीता जापान ओपन, अकाने यामागुची को सीधे गेम में हराकर जीता खिताब

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपनी शानदार वापसी का प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। सिंधु ने रविवार को जापान ओपन के फाइनल में घरेलू खिलाड़ी अकाने यामागुची को सीधे गेम में हराकर पहली बार इस प्रतिष्ठित खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

बता दें कि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में तीन बार की विश्व चौंपियन अकाने यामागुची को 21–17, 21–17 से मात दी। यह सिंधु का पहला सुपर 750 स्तर का खिताब भी है। इस जीत ने उनके दो साल से ज्यादा समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म कर दिया।

गौरतलब है कि सिंधु का इससे पहले बड़ा खिताब वर्ष 2019 में आया था, जब उन्होंने विश्व चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2024 में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था, लेकिन जापान ओपन की जीत उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गई है।

फाइनल मुकाबले में सिंधु शुरुआत से ही आत्मविश्वास में नजर आईं। उन्होंने अपने मजबूत नेट खेल का शानदार इस्तेमाल किया और कई मौकों पर यामागुची को ऊंचे शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। इसके बाद उन्होंने क्रॉस कोर्ट स्मैश और तेज शॉट्स की मदद से लगातार अंक हासिल किए।

पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। शुरुआती दौर में स्कोर बराबरी पर रहा, लेकिन सिंधु ने 8–6 की बढ़त बनाई। यामागुची ने वापसी करते हुए बढ़त हासिल की, लेकिन सिंधु ने लंबी रैलियों में धैर्य दिखाया और 11–11 की बराबरी के बाद मैच पर नियंत्रण बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए पहला गेम 21–17 से अपने नाम किया।

दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और 8–3 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि यामागुची ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लय नहीं खोई। सिंधु ने लगातार तेज स्मैश और सटीक शॉट्स के जरिए बढ़त बनाए रखी और दूसरा गेम भी 21–17 से जीत लिया।

मौजूद जानकारी के अनुसार यह मुकाबला सिंधु के लिए खास इसलिए भी था क्योंकि वह लंबे समय से यामागुची के खिलाफ पूर्ण मुकाबले में जीत हासिल नहीं कर पाई थीं। जापानी खिलाड़ी के खिलाफ उनकी आखिरी पूरी जीत 2022 थाईलैंड ओपन में आई थी। वहीं अकाने यामागुची जापान ओपन के अपने छठे फाइनल में खेल रही थीं, लेकिन सिंधु के शानदार प्रदर्शन के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक जीत के साथ पीवी सिंधु ने साबित कर दिया है कि वह अभी भी विश्व बैडमिंटन की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं और आने वाले टूर्नामेंटों के लिए भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

फुटबॉल के आसमान पर उगा यमाल नाम का सूरज, मेसी अस्ताचलगामी सूर्य

स्पेन ने पूरे मैच में अर्जेंटीना पर दबदबा बनाए रखा और 1–0 से विश्व कप जीतना पूरी तरह डिजर्व किया। एमिलियानो मार्टिनेज ने कई शानदार बचाव कर हार का अंतर कम रखा। मेसी की विदाई हार के साथ हुई, जबकि यमाल की अगुआई में स्पेन के नए युग की शुरुआत हुई। अब भारतीय फुटबॉल से भी ऐसी रातों की उम्मीद है।

अर्जेंटीना तो खेल ही नहीं रही थी, खेले तो एमिलियानो मार्टिनेज, वही लड़े, खूब लड़े, एक दर्जन से ज्यादा गोल बचाए ... कितना लड़ते। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल हो ही गया था।

मैदान में ना मेसी थे, ना उनका जादू ना उनकी टीम। सारे टाइम नारंगी जर्सी पहने स्पेनिश लड़ाके अर्जेंटीना की डी में ही दिखाई दिए। अर्जेंटीना सिर्फ बचाव ही करती रही। उसमें भी मार्टिनेज ना होते तो अर्जेंटीना की जो दुर्गति होती वो दशकों तक बदनुमा दाग बनकर अर्जेंटीना के चेहरे पर चिपक जाती। मेसी की विदाई हार से हुई। पर फिर भी उन्हें मार्टिनेज का आभारी होना चाहिए, लाज बचा ली।

स्पेन की टीम पहले मिनट से आखिरी मिनट तक खेल पर हावी रही। उसे ही जीतना चाहिए था।

क्या ही आश्चर्य कि पूरे टूर्नामेंट में स्पेन के खिलाफ केवल एक गोल हुआ – क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम द्वारा।

स्पेन की मिडफील्ड इतनी तगड़ी है कि गेंद को तुरंत वापस सामने वाले के पाले में धकेल देती है। अन्य टीमों की तरह अर्जेंटीना भी इस दीवार को भेद नहीं पाई।

हां, खेल के दौरान दोनों ओर से जो धक्का मुक्की हुई वो बहुत दुखद है।

फुटबॉल के आसमान पर उगे यमाल नाम के सूरज ने मेसी के अस्ताचल सूर्य को अब छठ का अर्घ्य दे दिया है।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 21 जुलाई 2026 sheelshukla100@gmail.com

सलमान खान की सेहत को लेकर बढ़ी चिंता, दुबले-पतले लुक में आए नज़र

सलमान खान का हालिया सार्वजनिक प्रदर्शन उनके शारीरिक बदलावों और स्वास्थ्य पर गंभीर सवाल खड़े करता है, जिसने प्रशंसकों के बीच व्यापक चिंता पैदा कर दी है। वीडियो में उनका दुबलापन और थकी हुई आंखें बॉलीवुड सितारों पर उम्र और पेशेवर दबाव के प्रभाव का विश्लेषण करने पर मजबूर करती हैं। सलमान खान स्वास्थ्य अपडेट और वायरल वीडियो जैसे शब्द इस समय इंटरनेट पर प्रमुखता से ट्रेंड कर रहे हैं।

हाल ही में बॉलीवुड स्टार सलमान खान का मुंबई में पब्लिक अपीयरेंस देखकर फैंस भी हैरान हो गए हैं। वायरल वीडियो में एक्टर काफी दुबले–पतले लग रहे हैं। इंटरनेट पर यह चर्चा का विषय बन गया, सब लोग उनकी सेहत को लेकर चिंता में पड़ गए। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्टर की सेहत को लेकर चिंता जताई। बहुत से लोग यह सोच रहे हैं कि उनका वजन इतना कम क्यों हो गया है और उम्मीद कर रहे हैं कि वे ठीक हों।

बीते शुक्रवार को सलमान ने स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी के ऑफिस का दौरा किया, जहां उन्होंने अथॉरिटी के अत्याधुनिक डेटा कलेक्शन और वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (सर्वर रूम) का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, एक्टर ने लाभार्थियों को घरों की चाबियां भी सौंपीं।

इस बीच, सलमान के दौरे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, लेकिन उनके लुक ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। एक्टर का शरीर देखकर फैन्स और शुभचिंतक चिंतित हो गए, कई लोगों ने सोशल मीडिया पर चिंता जाहिर करते हुए पूछा कि क्या उनकी सेहत ठीक है।

एक यूजर ने लिखा, वह बीमार लग रहे हैं... भगवान आपका भला करेष्, वहीं दूसरे ने कहा, वह बीमार दिख रहे हैं, लगता है कोई हेल्थ प्रॉब्लम है। एक ने पूछा, मेरे किंग को क्या हुआ?

एक कमेंट में लिखा था, "सलमान खान को क्या हुआ?? पहले तो मुझे लगा कि यह वो नहीं हैं, लेकिन वहां शेरा को भी देखा। वह धर्मेंद्र की तरह उम्रदराज लग रहे हैं।" वहीं एक और कमेंट था, "क्या वह सलमान खान हैं? क्या उनकी तबीयत ठीक नहीं है? ओह माय गॉड।" एक परेशान फैन ने लिखा, ष्यकीन नहीं होता कि ये सलमान खान हैं, और एक ने पूछा, ष्क्या सलमान खान और उनकी सेहत सब ठीक है...?

एक ने कहा, ष्इसे देखकर सच में दुख होता है। उनकी आंखों में साफ दिख रहा है कि वह कितने थके हुए और बीमार लग रहे हैं। फिल्मों में तो भाई अकेले 50 लोगों से लड़ लेते हैं, लेकिन अभी सलमान को देखिए, उनका वो जलवा बिल्कुल गायब हो गया है और साफ लग रहा है कि उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। सलमान खान को क्या हुआ है? क्या वह किसी बीमारी से जूझ रहे हैं?

कुछ ऐसे भी फैन्स हैं वे सलमान का बचाव करते नजर आए और लिखा, शकिसी भारतीय फिल्म सुपरस्टार के लिए सबके सामने उपनी उम्र को जाहिर करना बहुत हिम्मत का काम है। ऐसे ही रजनीकांत ने भी किया था। बॉलीवुड में कैमरे के सामने अपनी उम्र को शालीनता से स्वीकार करने की हिम्मत दिखाने के लिए सलमान खान बहुत सम्मान के हकदार है।

बता दें कि, जल्द ही सलमान खान श्मातृभूमिश में नजर आएंगे, अभी इसमें बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। मार्च तक इस फिल्म का नाम श्बैटल ऑफ गलवानश था और कहा जा रहा था कि यह गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच हुई असल झड़प पर बेस्ड है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट पर एक अलग मोड़ ले लिया है– इसका नाम बदल दिया गया है, चीन और गलवान घाटी का जिक्र हटा दिया गया है। अभी टीम बड़े पैमाने पर दोबारा शूटिंग कर रही है।

नोरा फतेही से लेकर उर्वशी रौतेला तक, फीफा विश्व कप 2026 में स्पेन की जीत पर सितारों ने दी बधाई

फीफा विश्व कप 2026 का मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच हुआ। स्पेन ने अर्जेंटीना को 1–0 से हराकर खिताब जीत लिया है। कई सितारों ने इस जीत पर स्पेन को बधाई देते हुए पोस्ट साझा किया है।

नोरा फतेही ने शेयर किया पोस्ट

अभिनेत्री नोरा फतेही ने स्पेन की जीत पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें खिताब नाम करने वाले चौंपियन जीत का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

उर्वशी ने दी बधाई

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट साझा किया है। न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले को देखने उर्वशी भी पहुंचीं। स्पने की जीत पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, श्स्पेन जीत गयाश।

खुशी से झूमीं रोशनी

अभिनेत्री रोशनी वालिया ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रिएक्शन दिया है। उन्होंने फीफा के फाइनल मुकाबले को घर पर तसल्ली से देखा। स्पेन की जीत पर वे खुशी से उछल पड़ीं और डांस करने लगीं।

करीना कपूर ने शेयर की पोस्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने भी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबले के बाद इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक फोटो साझा की है, जिसमें विजेता टीम स्पेन के खिलाड़ी और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी गले मिलते दिख रहे हैं। बता दें कि हार के बाद लियोनेल मेसी मैदान पर भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

ऐश्वर्या मलंग विजेताय पहली बार पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब

'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' का ताज मेघालय की ऐश्वर्या मलंग के सिर सजा है। ऐश्वर्या मलंग यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली नॉर्थ ईस्ट से पहली प्रतिभागी हैं। बता दें कि मिस टीन दिवा 2026 का ग्रैंड फिनाले जयपुर में आयोजित हुआ था।

इस जीत के साथ ऐश्वर्या 'मिस टीन अर्थ' के इंटरनेशनल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। ऐश्वर्या के अलावा स्निग्धा भुयान मिस टीन ग्रैंड इंडिया 2026 और प्रासुसी मिस टीन यूनिवर्स इंडिया 2026 बनी हैं।

मिस टीन अर्थ इंडिया 2026 विनर ऐश्वर्या मलंग का कहना है, श्मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थीश। उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं लोगों से बस यही कहूंगी, अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आगे बढें। कोई आपको नहीं रोक सकता। जो अच्छा लगे, वह करो'।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' की विजेता ऐश्वर्या मलंग ने कहा है, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से नेशनल लेवल पर मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थी और अब जब मैं जीत गई हूं, तो मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे कई उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि मुझे दो बार छम्म्ज की परीक्षा देनी थी। मुझे परीक्षा और पेजेंट, दोनों की तैयारी करनी थी, इसलिए यह काफी मुश्किल था'।

एएनआई के मुताबिक, 'मिस टीन दिवा' के मालिक और 'ग्लैम आनंद सुपरमॉडलश' के डायरेक्टर निखिल आनंद कहते हैं, 'मुझे बहुत खुशी है कि इतिहास में पहली बार नॉर्थ–ईस्ट से कोई विजेता 'मिस दिवा' का खिताब जीती हैं। यह वाकई एक यादगार पल है। हमें तीन ऐसी विजेता मिली हैं जो 'मिस टीन ग्रैंड', 'मिस टीन यूनिवर्स' और 'मिस टीन अर्थ' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी'।

संजय मिश्रा ने ''भक्षक'' के लिए National Award जीता

तीन दशकों से ज़्यादा समय तक यादगार किरदारों को पर्दे पर जीवंत करने वाले संजय मिश्रा के शानदार सफर में यह एक और गर्व का पल है। इस अनुभवी अभिनेता ने ''भक्षक'' फिल्म में भास्कर सिन्हा का किरदार निभाने के लिए 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में श्बेस्ट सपोर्टिंग एक्टरश का पुरस्कार जीता है। 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म की तारीफ एक संवेदनशील मुद्दे को ईमानदारी

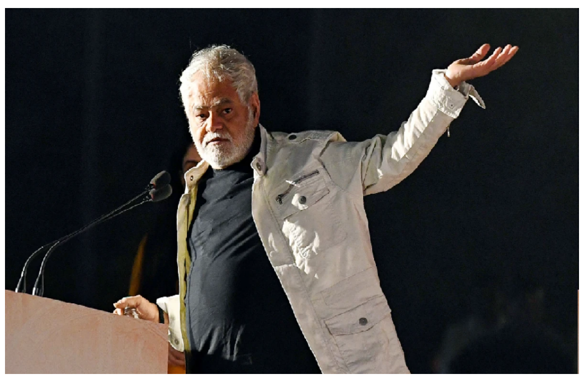

और संयम के साथ उठाने के लिए की गईय इसमें मिश्रा की अदाकारी फिल्म के भावनात्मक आधारों में से एक के तौर पर उभरकर सामने आई।

इस घोषणा के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए मिश्रा ने कहा कि यह अवॉर्ड उस चीज की याद दिलाता है जिसकी हर एक्टर उम्मीद करता है, अर्थपूर्ण कहानियाँ और यादगार किरदार। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर, आप बस यही उम्मीद करते हैं कि आपको अच्छी कहानियाँ और निभाने के लिए अर्थपूर्ण किरदार मिलते रहें। और जब इस सफर को नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से पहचाना जाता है, तो एक एक्टर के लिए इससे बड़ी कोई भावना नहीं हो सकती। मैं इस सम्मान के लिए बहुत आभारी हूँ। ''भक्षक'' एक बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है, और मैं पुलकित, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ कि उन्होंने इतनी ईमानदारी और हिम्मत के साथ इस कहानी को दर्शकों तक पहुँचाया। यह सम्मान ''भक्षक'' की पूरी टीम का है।'

पुलकित के निर्देशन में बनी फिल्म ''भक्षक'' में भूमि पेडनेकर ने एक खोजी पत्रकार की भूमिका निभाई है, जो शेल्टर होम में हो रहे शोषण का पर्दाफाश करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भास्कर सिन्हा का किरदार संजय मिश्रा ने निभाया है, उन्होंने अपने रोल में बहुत संवेदनशीलता और मजबूती दिखाई है, जिससे वे फिल्म की सबसे अच्छी खूबियों में से एक बन गए हैं। फिल्म की काफी तारीफ हुई क्योंकि इतनी गंभीर कहानी को कहने के लिए इसमें कहीं भी मेलोड्रामा का सहारा नहीं लिया गया।

नेशनल अवॉर्ड मिलने से ''भक्षक'' की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। मिश्रा ने 'कर्तव्य' फिल्म के लिए भी निर्देशक पुलकित के साथ दोबारा काम किया है, जिससे उनकी वह रचनात्मक साझेदारी आगे बढ़ी है जो इस प्रशंसित ड्रामा फिल्म के साथ शुरू हुई थी। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म ''भक्षक'' में भूमि पेडनेकर और संजय मिश्रा के साथ–साथ साई ताम्हणकर और आदित्य श्रीवास्तव भी अहम भूमिकाओं में हैं। नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली यह फिल्म अभी नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

दीया मिर्जा ने खींचा ध्यानय 'इक्का' की सक्सेस पार्टी में पहुचे ये सितारे

सनी देओल, दीया मिर्जा और आकांक्षा रंजन जैसे कलाकार फिल्म श्इक्काश की सक्सेस पार्टी में पहुंचे हैं। सनी देओल ने पैपराजी से कई सवाल पूछे हैं। वहां दीया मिर्जा ने अपने लुक से सबको हैरान किया है।

सनी देओल अक्षय खन्ना और दीया मिर्जा की अदाकारी वाली फिल्म 'इक्का' 10 जुलाई को रिलीज हुई। इस कोर्टरूम ड्रामा की आलोचकों ने काफी तारीफ की है। मेकर्स ने इस फिल्म की एक सक्सेस पार्टी रखी है। इसमें फिल्म के कलाकार और कई सितारे शामिल हुए हैं। आइए डालते हैं एक नजर।

क्लीन शेव में सनी देओल श्इक्काश की सक्सेस पार्टी में पहुंचे हैं। उन्होंने कैमरे से सामने पोज दिए और हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। फिल्म में सनी देओल ने अर्जुन मेहता का किरदार निभाया है।

एक दूसरे वीडियो में सनी देओल पैपराजी से मजाक में पूछते हैं कि क्या आपने 'घायल' देखी है? क्या आपने 'दामिनी' देखी है। क्या आपने 'घातक' देखी है। इसके बाद वहां मौजूद लोग खुश होते हैं।

फिल्म की सक्सेस पार्टी में दीया मिर्जा भी पहुंचीं। उन्होंने कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज दिए। फिल्म में उन्होंने अवंतिका मेहरा का किरदार निभाया है।

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन भी फिल्म की सक्सेस पार्टी में पहुंची हैं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस में कैमरे के सामने पोज दिए।

श्इक्काश के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा हैं। इसमें सनी देओल, अक्षय खन्ना, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, आकांक्षा रंजन और संजीदा शेख जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, इसलिए इसकी कमाई कितनी हुई इसका अंदाजा नहीं लग पाया है।

क्या अर्जुन कपूर साहिबा बाली को कर रहे डेट?

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर एक साथ देखे गए। दोनों भारत बनाम इंग्लैंड का तीसरा वनडे देखने पहुंचे थे। मैच का आनंद लेते हुए दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक साथ देखे जाने के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं।

दोनों को साथ में देखकर फैंस के मन में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या उनका रिश्ता दोस्ती से ज्यादा है? हाल ही में अर्जुन कपूर को साहिबा ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस पर अर्जुन ने प्रतिक्रिया दी। इसके बाद उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ताजा चर्चा तब आई जब साहिबा ने एक चंचल इंस्टाग्राम स्टोरी के साथ अर्जुन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अभिनेता की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा 'अधिक वजन कम करना बंद करो, कुछ केक खाओ।' अर्जुन ने एक हल्के–फुल्के अंदाज में जवाब देते हुए कहा 'आपके मेरे साथ जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं।'

अर्जुन और साहिबा की वायरल वीडियो पर फैंस ने प्रतिक्रिया दी। कुछ यूजर्स ने इस जोड़ी को बधाई दी। एक यूजर ने लिखा वे साथ हैं? क्या वह किसी और के साथ नहीं थी? एक अन्य ने कहा कि साहिबा ने कंटेंट क्रिएटर कुल्लू के साथ मैच में भाग लिया था। वहां वह अपने दोस्त अर्जुन से मिलीं।

रणबीर कपूर ने अरुण गोविल को बताया अपनी प्रेरणा

लंबे समय से फैंस रणबीर कपूर की रामायण का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि फिल्म रिलीज की तैयारी शुरु हो चुकी है। इस बीच, शनिवार को दिल्ली के भारत मंडपम में फिल्म 'रामायण' का प्रथम संकल्प और रेड कारपेट इवेंट हुआ। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभवों को शेयर किया है। रणबीर कपूर ने अरुण गोविल के बारे में बात करते हुए बताया कि कैसे उनके किरदार ने कई पीढ़ियों पर काफी असर छोड़ा।

इवेंट के दौरान रणबीर कपूर ने अरुण गोविल के लिए एक इमोशनल स्पीच दी। एक्टर ने बताया कि रामानंद सागर की रामायण में उनके किरदार राम ने हर पीढ़ी की ऑडियंस को प्रभावित किया है। वो खुद को किरदार की तुलना अरुण गोविल के राम के किरदार से नहीं कर सकते हैं। राम का किरदार उनके लिए प्रेरणा और वो उम्मीद करते हैं जो वैल्यू उन्होंने राम के किरदार को दी है वो उसे आगे बढ़ा पाए।

रणबीर कपूर ने आगे कहा कि, श्सालों से आपने इस जिम्मेदारी को इतनी शालीनता, सच्चाई और गरिमा के साथ निभाया है। आपका सफर मेरे जैसे एक्टर के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा रहा है। आपने 'रामायण' देखने वाले हर इंसान के अंदर आस्था जगाई है और उन्हें प्रेरित किया है। जिस तरह आपने भगवान श्रीराम के स्वरूप को अपने अंदर उतारा है, अगर मैं उसका थोड़ा सा हिस्सा भी हासिल कर पाऊं, तो मैं अपनी मेहनत को सफल मानूंगा।'

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।